JANMARG news
Janmarg News Youtube Channel
जनमार्ग
केन्द्र व राज्य सरकार से विज्ञापनों के लिए स्वीकृत
RNI Registration No. 3773 / 58
e-mail :dainikjanmarg@gmail.com
Website:- www.janmarg.com

जनमार्ग

निष्पक्ष ◆ निर्भिक ◆ सांध्य दैनिक

आज का मौसम
अधिकतम : 27
न्यूनतम : 08
हवा में नमी : 78

वर्ष : 66 ● अंक: 67 ● श्रीगंगानगर, रविवार, 26.01.2025, मो. 94140-87692, 77421-86692, 0154-2970692 ● मूल्य: 2 रुपये ● पृष्ठ :8

गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह डॉ. भीमराव अम्बेडकर कॉलेज में आयोजित

● मुख्य अतिथि डॉ. मंजू ने प्रातः 9:05 बजे किया ध्वजारोहण

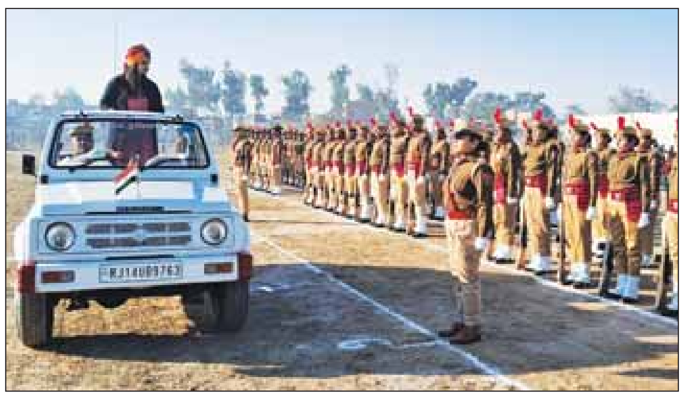

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2025) का मुख्य समारोह रविवार सुबह डॉ. भीमराव अम्बेडकर राजकीय महाविद्यालय के खेल प्रांगण में समारोहपूर्वक आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि जिला कलक्टर डॉ. मंजू द्वारा प्रात: 9.05 बजे ध्वजारोहण किया गया। मुख्य समारोह में जिला कलक्टर डॉ. मंजू ने परेड का निरीक्षण कर मार्च पास्ट की सलामी ली। मार्च पास्ट में आरएसी, राजस्थान पुलिस पुरूष, महिला पुलिस, अरबन होमगार्ड, एनसीसी सीनियर छात्र-छात्रा, हिन्दुस्तान स्काउट गाइड, भारत स्काउट गाइड की टुकडियों ने भाग लिया। एडीएम प्रशासन श्रीमती रीना ने माननीय राज्यपाल महोदय का प्रदेशवासियों के नाम संदेश का पठन किया। कार्यक्रम में सादुलशहर विधायक गुरवीर बराड, जिला कलक्टर डॉ. मंजू, डीआईजी गौरव यादव सहित अन्य ने उपस्थित स्वतंत्रता सेनानियों व वीरांगनाओं का शॉल ओढाकर सम्मान किया। कार्यक्रम में विभिन्न शिक्षण संस्थाओं के विद्यार्थियों ने आर्कषक व्यायाम और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। सांस्कृतिक कार्यक्रम में विद्यार्थियां ने देश भक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रम प्रस्तुत किए। मुख्य समारोह में चिकित्सा, वन, समग्र शिक्षा, सहकारिता विभाग, जिला परिषद्, विद्युत, कृषि व उद्यान, महिला बाल विकास, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, नगर परिषद, आबकारी, आयुर्वेद, यातायात पुलिस, पीएनबी, नेहरू युवा केन्द्र, परिवहन, पशुपालन तथा नागरिक सुरक्षा विभागों द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों व विकास योजनाओं का संदेश देने वाली झांकियां प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में एडीएम सतर्कता नरेंद्रपाल सिंह, एएसपी रघुवीर शर्मा, जिला परिषद सीईओ सुभाष कुमार, एसडीएम श्रीगंगानगर रणजीत कुमार, प्रशिक्षु आईएएस रजत यादव, प्रशिक्षु आईपीएस अजय राठौड, पूर्व सांसद शंकर पन्नू, शरणपाल सिंह मान, श्याम धारीवाल सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। दक्ष परेड में राजस्थान शस्त्र दल ने प्रथम, राजस्थान पुलिस पुरूष ने द्वितीय एवं राजस्थान पुलिस महिला ने तृतीय तथा अदक्ष परेड में एनसीसी सीनियर गर्ल्स प्रथम, एनसीसी सीनियर छात्र दूसरा और हिन्दुस्तान स्काउट गाईड ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार झांकी प्रदर्शन में यातायात पुलिस ने प्रथम, पीएचईडी ने द्वितीय और आबकारी विभाग ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस

जनमार्ग न्यूज

नई दिल्ली। आज देशभर में 76वां गणतंत्र दिवस मनाया जा रहा है। सबसे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वॉर मेमोरियल पहुंचे और शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद वे गणतंत्र दिवस की परेड में शामिल होने के लिए कर्तव्य पथ पहुंचे। उधर, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के साथ बग्घी में बैठकर कर्तव्य पथ आईं। राष्ट्रपति मुर्मू ने तीसरी बार राजपथ पर तिरंगा फहराया। इस बार गणतंत्र दिवस की थीम स्वर्णिम भारत विरासत और विकास है। परेड की शुरुआत कल्चर मिनिस्ट्री के सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुई। 300 आर्टिस्ट ने वाद्य यंत्र बजाते हुए परेड निकाली। फिर इंडोनेशिया के सैन्य जवानों का दस्ता परेड करते हुए कर्तव्य पथ पर गुजरा। भारतीय सेना के जवानों ने भीष्म टैंक, पिनाका मल्टी लॉन्चर रॉकेट सिस्टम के साथ मार्च किया। एयरफोर्स के फ्लाईपास्ट में 40 विमानों ने हिस्सा लिया।

बीजेपी और कांग्रेस ने एक जगह किया झंडारोहण

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। जयपुर की बड़ी चौपड़ पर 76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर सालों से चली आ रही परंपरा के अनुसार बीजेपी और कांग्रेस ने अलग-अलग दिशाओं में झंडारोहण किया। सत्तापक्ष की ओर से उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने पूर्व दिशा की तरफ ध्वजारोहण किया। इस दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, सांसद मंजू शर्मा, विधायक गोपाल शर्मा और बालमुकुंद आचार्य, महापौर कुसुम यादव और भाजपा नेत्री ज्योति खंडेलवाल समेत कई प्रमुख नेता उपस्थित रहे। विपक्षी दल की ओर से नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने पश्चिम दिशा में ध्वजारोहण किया। कार्यक्रम में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास और महेश जोशी, जिलाध्यक्ष आर आर तिवाड़ी, धर्मेंद्र राठौड़ और अभिषेक चौधरी सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा- 1950 में लागू किया गया भारतीय संविधान दुनिया का सर्वश्रेष्ठ संविधान है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे वे संसद में प्रवेश करते समय सबसे पहले संविधान को मस्तक पर रखते हैं। राठौड़ ने संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार ने उनकी विरासत को सम्मान देने का कार्य किया है।

हाईवे पर सड़क हादसे में 2 लोगों की हुई मौत

जनमार्ग न्यूज

सूरतगढ़। सूरतगढ़-श्रीगंगानगर नेशनल हाईवे संख्या 62 पर शनिवार शाम को सेना की जिप्सी और बाइक में हुई टक्कर के बाद बाइक पर सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची सदर थाना पुलिस ने शवों को सरकारी अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया। मृतक गुरप्रीत (19) पुत्र रिछपाल सिंह मजबूरी सिख और रवि (21) पुत्र गुरदीप सिंह रायसिख दोनों जैतसर थाना क्षेत्र के बिशनपुरा गांव के निवासी थे। सदर थाना प्रभारी रामकुमार लेघा ने बताया कि गुरप्रीत सिंह और रवि दोनों एक बाइक पर सवार होकर अपने गांव बिशनपुर से श्रीगंगानगर की तरफ जा रहे थे। इसी दौरान एनएच- 62 पर चक 4 डीबीएन के पास सामने से आ रही सेना की जिप्सी के साथ बाइक की भिड़ंत हो गई। जिसमें बाइक सवार दोनों जने उछलकर सड़क पर जा गिरे। वहीं, सेना के जवानों ने जिप्सी को रोक कर दोनों की सार संभाल की। इस दौरान हाईवे से गुजर रहे अन्य वाहन चालकों ने भी अपने वाहन रोक कर दोनों को संभाला। मगर, तब तक दोनों की सांसें थम चुकी थी। सीआई ने बताया कि राहगीरों की सूचना पर वे मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का मुआयना कर मृतकों की शिनाख्त करने के बाद शवों को सरकारी अस्पताल की मॉर्च्युरी में देर शाम को रखवाते हुए परिजनों को हादसे की सूचना दी।

ओपन जेल से भागा हत्या का दोषी

जयपुर (जनमार्ग न्यूज)। जयपुर की ओपन जेल से दंडित बंदी के भागने का मामला सामने आया है। वह मर्डर के मामले में सांगानेर ओपन जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहा था। इवनिंग रोल कॉल में गायब मिलने पर जेल प्रशासन को दंडित बंदी के भागने का पता चला। मालपुरा गेट थाना पुलिस ओपन जेल से फरार हुए दंडित बंदी की तलाश कर रही है। हेड कॉन्स्टेबल अनिल कुमार ने बताया- ओपन जेल से भागने वाला दंडित बंदी अमृत उर्फ पप्पू उर्फ दरब (25) पुत्र पितराम निवासी बाडा बाजीदपुर नादौती करौली का रहने वाला है। मर्डर के मामले में बंदी अमृत उर्फ पप्पू उर्फ दरब को आजीवन कारावास की सजा मिली थी।

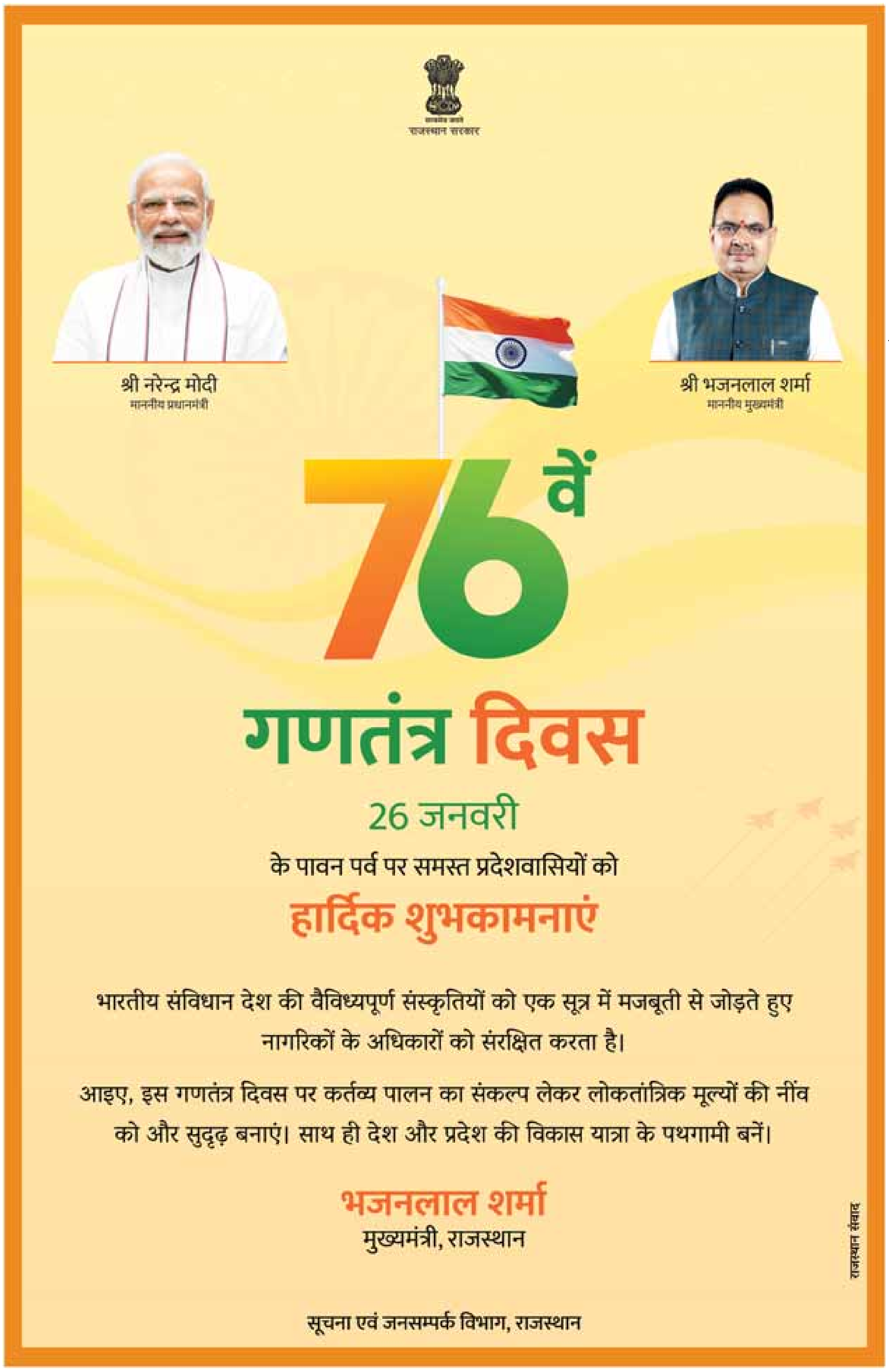

सम्पादकीय

हादसों का सिलसिला?

विचित्र है कि आयुध निर्माण के दौरान के जोखिम से वहां का प्रबंधन परिचित होगा, लेकिन यह सुनिश्चित किया जाना जरूरी नहीं समझा गया कि कोई भी ऐसी चूक न हो, जो बड़े नुकसान का कारण बन जाए। महाराष्ट्र के भंडारा जिले में शुक्रवार को सुबह एक हथियार फैक्ट्री में हुआ हादसे से यही रेखांकित हुआ है कि बार-बार होने वाली ऐसी दुर्घटनाओं के बावजूद लापरवाही बदस्तूर कायम है और इसकी वजह से बड़े पैमाने पर जानमान का नुकसान हो रहा है। गौरतलब है कि आयुध कारखाने के दीर्घकालिक योजना वाले हिस्से में अचानक एक बड़ा धमाका हुआ, जिसमें सेना के इस्तेमाल के लिए आरडीएक्स और अन्य बेहद संवेदनशील विस्फोटक तैयार किए जाते हैं। इसकी तीव्रता और असर का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि जिस इमारत में धमाका हुआ, वह पूरी तरह नष्ट हो गई। इस हादसे में कम से कम आठ लोगों के मारे जाने की खबर आई और तेरह-चौदह लोगों के फंसे होने के आशंका है। ऐसी जगहों पर बचाव अभियान चलाना भी बेहद संवेदनशील मामला होता है, क्योंकि कभी भी किसी हथियार में विस्फोट और ज्यादा लोगों की जान जाने की आशंका बनी होती है। विचित्र है कि आयुध निर्माण के दौरान के जोखिम से वहां का प्रबंधन परिचित होगा, लेकिन यह सुनिश्चित किया जाना जरूरी नहीं समझा गया कि कोई भी ऐसी चूक न हो, जो बड़े नुकसान का कारण बन जाए। ऐसा नहीं कि भंडारा के आयुध कारखाने में विस्फोट कोई पहली घटना है। आए दिन देश के अन्य हथियार बनाने वाले कारखानों में ऐसे हादसे सामने आते रहे हैं। खुद भंडारा की इसी फैक्ट्री में करीब एक वर्ष पहले विस्फोट हुआ था। अफसोसनाक यह है कि इसके बावजूद वहां सावधानी बरतने की व्यवस्था नहीं की गई। जबकि किसी हादसे का सबसे बड़ा सबक यह होना चाहिए कि उसके बाद उन तमाम बातों और बारीकियों का खयाल रखा जाए, उन पर रत्ती भर भी लापरवाही न बरती जाए, जिससे उस तरह की घटना दोबारा होने से रोका जा सके। मगर विडंबना यह है कि न केवल दूसरी जगहों पर हुई समान घटनाओं को उदाहरण मान कर सावधानी नहीं बरती जाती, बल्कि एक ही जगह के वैसे हादसों के बाद भी प्रबंधन की नींद नहीं खुलती और सुरक्षा की उचित व्यवस्था नहीं की जाती। नतीजतन, ऐसे हादसे बार-बार होते और नाहक ही जानमाल का नुकसान होता रहता है। विचित्र है कि आयुध निर्माण के दौरान के जोखिम से वहां का प्रबंधन परिचित होगा, लेकिन यह सुनिश्चित किया जाना जरूरी नहीं समझा गया कि कोई भी ऐसी चूक न हो, जो बड़े नुकसान का कारण बन जाए।

भारत आज 26 जनवरी को अपना 76वां गणतंत्र दिवस मना रहा है। यह भारत के गणतंत्र की सफल यात्रा है। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर शनिवार को राष्ट्र को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि भारत औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त हो रहा है। गुलामी के प्रतीकों से बाहर आ रहा है। भारतीय दंड संहिता में बदलाव इसी दिशा में कदम है। राष्ट्र अमृतकाल में है और वर्ष 2047 तक विकसित बनने के प्रति कृतसंकल्पित है। लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने संबंधी सरकार की पहल दूरदर्शिता का एक प्रयास है। 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू होने अब तक 76 वर्ष में भारत ने कृषि, उद्योग, इन्फ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा, स्वास्थ्य, विज्ञान, अंतरिक्ष, डिजिटल, सेवा आदि समेत सभी क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। हालांकि गरीबी उन्मूलन, आर्थिक असमानता, जातिवाद व महिला सशक्तिकरण समेत अनेक क्षेत्र में बहुत कुछ किया जाना बाकी है। इस बार इंडोनेशिया के राष्ट्रपति गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि हैं, पहले गणतंत्र दिवस पर भी इंडोनेशिया के तत्कालीन राष्ट्रपति मुख्य अतिथि थे। भारत गणतंत्र दिवस पर किसी एक विदेशी राष्ट्र प्रमुख को मुख्य अतिथि बनाता रहा है। इस दिन राजधानी दिल्ली में भारत अपने सामरिक सामर्थ्य का प्रदर्शन भी करता है। गणतंत्र दिवस की महत्ता पर प्रकाश डालता आजकल का यह अंक...

प्रगति पथ पर हमारा गणतंत्र

आज ही के दिन 26 जनवरी 1950 को भारत राष्ट्र ने संसार को एक नए गणराज्य के गठन की सूचना दी। अपने संविधान को अमल में लाया। देश में संविधान का शासन है और संसद सर्वोच्च है। देश की आजादी के उपरांत हमारा उद्देश्य एक शक्तिशाली, स्वतंत्र और जनतांत्रिक भारत का निर्माण करना था। ऐसा भारत जिसमें सभी नागरिकों को विकास और सेवा का समान अवसर मिले। ऐसा भारत जिसमें जातिवाद, क्षेत्रवाद, भाषावाद, आतंकवाद, नक्सलवाद, छुआछूत, हठधर्मिता और मनुष्य द्वारा मनुष्य के शोषण के लिए स्थान न हो। इसीलिए हमारे संविधानविदों ने संविधान गढ़ते वक्त दुनिया के बेहतरीन संविधानों से अच्छे प्रावधानों को ग्रहण किया।

आज भारत राष्ट्र अपना 76वां गणतंत्र दिवस मना रहा है। आज ही के दिन 26 जनवरी 1950 को भारत राष्ट्र ने संसार को एक नए गणराज्य के गठन की सूचना दी। अपने संविधान को अमल में लाया। उस संविधान की भावना के अनुरूप ही भारत एक प्रभुता संपन्न गणतंत्रात्मक धर्मनिरपेक्ष समाजवादी राज्य बना। देश में संविधान का शासन है और संसद सर्वोच्च है। आजादी के उपरांत हमारा उद्देश्य एक शक्तिशाली, स्वतंत्र और जनतांत्रिक भारत का निर्माण करना था। ऐसा भारत जिसमें सभी नागरिकों को विकास और सेवा का समान अवसर मिले। ऐसा भारत जिसमें जातिवाद, क्षेत्रवाद, भाषावाद, आतंकवाद, नक्सलवाद, छुआछूत, हठधर्मिता और मनुष्य द्वारा मनुष्य के शोषण के लिए स्थान न हो। इसीलिए हमारे संविधानविदों ने संविधान गढ़ते वक्त दुनिया के बेहतरीन संविधानों से अच्छे प्रावधानों को ग्रहण किया। मसलन ब्रिटेन से संसदीय प्रणाली ग्रहण की। यूएस के संविधान से मौलिक अधिकार, सर्वोच्च न्यायालय, कनाडा के संविधान से राज्यों का संघ होना, आयरलैंड के संविधान से राज्य-नीति के निर्देशक सिद्धांत, आस्ट्रेलिया के संविधान से समवर्ती सूची, जर्मनी के संविधान से राष्ट्रपति की संकटकालीन शक्तिं स्रोत तथा दक्षिण अफ्रीका के संविधान से संवैधानिक संशोधन की प्रक्रिया जैसी महत्त्वपूर्ण बातें ग्रहण की। गौर करें तो भारतीय संविधान की यह सभी विशेषताएं भारतीय संविधान को उदारवादी और विकासवादी बनाती हैं।

सभी नागरिकों को समान अधिकार

भारतीय संविधान भारत में सभी नागरिकों को ढेरों अधिकार देता है जिससे उन्हें अपने व्यक्तित्व को संवारने की आजादी मिली हुई है। भारतीय संविधान में जाति, धर्म, रंग, लिंग, कुल, गरीब व अमीर आदि के आधार सभी समान है। जनमत पर आधारित भारतीय संविधान ने संसदीय शासन प्रणाली में सभी वर्गों को समान प्रतिनिधित्व प्रदान किया है। संविधान ने राज्य के लोगों की स्वतंत्रता व उनके अधिकारों में अनुचित हस्तक्षेप करने का अधिकार केंद्र या राज्य सरकारों को नहीं दिया है।

संविधान के तहत राजनीतिक दल सभाओं, भाषणों, समाचारपत्रों, पत्रिकाओं तथा अन्य संचार माध्यमों से जनता को अपनी नीतियों और सिद्धांतों से अवगत कराते हैं। विरोधी दल संसद में मंत्रियों से प्रश्न पूछकर, काम रोको प्रस्ताव रखकर तथा वाद-विवाद द्वारा सरकार के भूलों को प्रकाश में लाते हैं। सरकार की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखते हुए उसकी नीतियों और कार्यों की आलोचना करते हैं। भारतीय संविधान के मुताबिक संघीय शासन की स्थापना के बावजूद भी प्रत्येक नागरिक को इकहरी या एकल नागरिकता प्राप्त है और इससे राष्ट्र की भावनात्मक एकता की पुष्टि होती है। भारत का प्रत्येक नागरिक चाहे वह देश के किसी भी भाग में

रहे भारत का ही नागरिक है। यहां संयुक्त राज्य अमेरिका की तरह राज्यों की कोई पृथक नागरिकता नहीं है।

नागरिकों को सूचना प्राप्ति का अधिकार

धर्म या भाषा पर आधारित सभी अल्पसंख्यक वर्गों को अपनी इच्छानुसार शिक्षण संस्थाएं स्थापित करने तथा धन का प्रबंध करने का अधिकार है। संविधान में सुनिश्चित किया है कि शिक्षण-संस्थाओं को सहायता देते समय राज्य किसी शिक्षण संस्था के साथ इस आधार पर भेदभाव नहीं करता है कि वह संस्था धर्म या भाषा पर आधारित किसी अल्पसंख्यक वर्ग के प्रबंध में है। इसी तरह भारतीय नागरिकों को सूचना प्राप्त करने का अधिकार हासिल है। इस व्यवस्था ने भारतीय नागरिकों को शासन-प्रशासन से सीधे सवाल-जवाब करने की नई लोकतांत्रिक धारणा को जन्म दी है। इस व्यवस्था से सरकारी कामकाज में सुशासन, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व बढ़ा है जिससे आर्थिक विकास को तीव्र करने, लोकतंत्र की गुणवत्ता बढ़ाने और भ्रष्टाचार को नियंत्रित करने में मदद मिल रही है। सूचना के अधिकार से सत्ता की निरंकुशता पर भी अंकुश लगा है। भारत का तीव्र गति से विकास हो रहा है और उसकी सामाजिक-सांस्कृतिक विविधता भी बनी हुई है। आज भारत ब्रिटेन को पछाड़कर दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन चुका है। आज भारत जी-20 देशों में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था वाला देश बन चुका है।

देश हर क्षेत्र में कर रहा प्रगति

सबसे ज्यादा इंटरनेट यूजर्स के मामले में भारत दूसरे स्थान पर है। भारत तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार है। इनोवेशन इंडेक्स में भारत की रैंकिंग लगातार सुधर रही है। देश में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई के जरिए लेन-देन बढ़ा है। एसबीआई के इकॉनोमिक रिसर्च डिपार्टमेंट की रिपोर्ट के मुताबिक यूपीआई लेन-देन की मात्रा वित्त वर्ष 2024 में 247 लाख करोड़ के पार पहुंच गयी है। विनिर्माण क्षेत्र में ग्रोथ से भारत के निर्यात में भी लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। बीते दस वर्षों में 120 अरब डॉलर से ज्यादा की नई कंपनियां अस्तित्व में आई हैं। आज इनका मूल्य 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। गत वर्ष पहले नीति आयोग के डिस्कशन पेपर 'मल्टीडाइमेंशनल पॉवर्टी इन इंडिया सिंस की रिपोर्ट से खुलासा हुआ कि 2013-14 से 2022-23 के बीच 24.82 करोड़ लोग मल्टीडाइमेंशनल गरीबी से बाहर निकले हैं। केंद्र सरकार भूख की गरीबी को खत्म करने के लिए पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना संचालित कर रही है जिसके जरिए देश के 81.44 करोड़ लोगों को पांच किलोग्राम खाद्यान्न दिया जा रहा है। उज्ज्वला योजना के अंतर्गत दस करोड़ लोगों को लाभ पहुंचा है। इसी तरह प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 4 करोड़ से अधिक लोगों को आवास दिया जा चुका है। साढ़े पांच करोड़ से अधिक लोग आयुष्मान कार्ड हासिल कर चुके हैं। जनधन खाताधारकों की संख्या 53.1 करोड़ के पार पहुंच चुकी है जिसमें 80 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी है। इन खातों में 2.3 लाख करोड़ से अधिक की धनराशि जमा है और 35 करोड़ रुपे कार्ड जारी किया गया है। भारतीय गणतंत्र ने अपने क्षेत्र में प्रगति की है, लेकिन अभी भी अनेक क्षेत्र में बहुत कुछ किया जाना बाकी है। असमानता मिटाना बड़ा लक्ष्य है।

रणनीतिक रूप से अहम है इंडोनेशिया

यह चौथा अवसर है, जब गणतंत्र दिवस के मौके पर इंडोनेशिया के राष्ट्रपति को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। पहली बार साल 1950 में जब भारत ने अपना पहला गणतंत्र दिवस मनाया था, उस वक्त तत्कालीन राष्ट्रपति सुकर्णो भारत आए थे। 2011 में राष्ट्रपति डॉ. सुसीलो बामबंग व 2018 में जोको विडोडो को मुख्य अतिथि के रूप में बुलाया गया था। उस वक्त विडोडो के साथ दूसरे आसियान देशों के राष्ट्राध्यक्ष भी भारत आए थे। अब 76वें गणतंत्र दिवस पर कर्तव्य पथ पर होने वाली भव्य परेड में शामिल होने के लिए राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो को आमंत्रित किया गया है।

आसियान देश के प्रति संजीदगी

सवाल यह है कि इस आसियान देश के प्रति भारत इतना संजीदा क्यों है। इंडोनेशिया 17 हजार से अधिक द्वीपों वाला विश्व का सबसे बड़ा द्वीपीय देश है। यहां दुनिया की चौथी सबसे बड़ी आबादी निवास करती है। भारत और इंडोनेशिया में दो सहस्राब्दियों से घनिष्ट सांस्कृतिक और वाणिज्यिक संबंध हैं। दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों पर साझा संस्कृति, औपनिवेशिक इतिहास और स्वतंत्र विदेश नीति का एकीकृत प्रभाव है। 1945 में जिस वक्त इंडोनेशिया स्वतंत्र हुआ था भारत दुनिया का पहला ऐसा देश था जिसने इंडोनेशिया की स्वतंत्रता का समर्थन किया था। 1955 में बांडुंग में एशियाई-अफ्रीकी सम्मेलन के दौरान इंडोनेशिया का सहयोग और समर्थन किया। भारत की लुक ईस्ट नीति के लिए इंडोनेशिया अहम देश है। लेकिन इंडोनेशिया के अलावा दूसरे आसियान देश भी भारत की लुक ईस्ट नीति में किसी न किसी रूप में योगदान कर रहे हैं फिर इंडोनेशिया के प्रति भारत के झुकाव की वजह क्या है। दरअसल, भारत की एक्ट ईस्ट नीति में इंडोनेशिया का अपना एक अलग स्थान है। दोनों देशों के बीच गहरे आर्थिक संबंध हैं।

रक्षा सहयोग समझौता

आर्थिक संबंधों से इतर दोनों देश 'समग्र रणनीतिक साझेदारी' पर भी फोकस कर रहे हैं। 2001 में भारत और इंडोनेशिया ने संयुक्त रक्षा सहयोग समिति की स्थापना करते हुए एक रक्षा सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए। 2016 में तत्कालीन राष्ट्रपति जोको विडोडो की यात्रा के दौरान दोनों देश नियमित सुरक्षा वार्ता के लिए सहमत हुए। 2018 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इंडोनेशिया यात्रा के दौरान रणनीतिक साझेदारी को व्यापक रणनीतिक साझेदारी में अपग्रेड किया।

दोनों देशों में आर्थिक साझेदारी

आर्थिक क्षेत्र में भी दोनों देश समान रूप से कदमताल कर रहे हैं। दोनों के बीच आर्थिक सहयोग पूरे आसियान क्षेत्र में सबसे ज्यादा है। साल 2023-24 के मध्य भारत और इंडोनेशिया के बीच 29.40 बिलियन डॉलर का व्यापार हुआ। भारत ने यहां 1.56 बिलियन डॉलर का निवेश कर रखा है। ऊर्जा से लेकर तकनीक और रक्षा निर्माण तक दोनों देशों के बीच सहयोग की नई राह खुल रही है। इंडोनेशिया जी-20 का सदस्य है। वह उभरती अर्थव्यवस्थाओं वाले एक अन्य समूह (सीआईवीईटीएस) कोलंबिया, इंडोनेशिया,

वियतनाम, मिस्र, तुर्की और दक्षिण अफ्रीका का भी पूर्णकालिक सदस्य है। यही वजह है कि इंडोनेशिया को उभरती अर्थव्यवस्था के रूप में ब्रिक्स देशों में शामिल किए जाने के लिए उपयुक्त उम्मीदवार के रूप में देखा जा रहा है।

ब्रिक्स में होगा विश्वस्त सहयोगी

देर-सवेर अगर इंडोनेशिया की ब्रिक्स में एंट्री होती है तो रूस और दक्षिण अफ्रीका के बाद भारत को ब्रिक्स में एक और विश्वस्त सहयोगी मिल जाएगा। इतना ही नहीं, दक्षिण पूर्वी एशिया का सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश होने के कारण भारत की अर्थव्यवस्था को बेहतर करने में इंडोनेशिया बड़ी भूमिका निभा सकता है।

इसके अलावा भारत और इंडोनेशिया दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रों के संगठन (आसियान), पूर्व एशिया शिखर सम्मेलन (ईएएस) और हिंद महासागर रिम एसोसिएशन (आईआआरए) के प्रमुख सदस्य हैं। इन संगठनों में रहते हुए दोनों देश हिंद प्रशांत क्षेत्र में और दक्षिण पूर्व एशिया में क्षेत्रीय एकीकरण, आर्थिक सहयोग और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए सहयोग कर रहे हैं। यह सहयोग समुद्री सहयोग को बढ़ाने, ब्लू इकोनॉमी और क्षेत्रीय भागीदारी (क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक सहयोगः आरसीईपी) को बढ़ाने में काफी अहम हो सकती है। दक्षिण चीन सागर में इंडोनेशिया का चीन के साथ विवाद है। ऐसे में साउथ चाइना सी में चीन को काउंटर करने के लिए इंडोनेशिया भारत का मददगार हो सकता है।

गुटनिरपेक्ष राष्ट्र है इंडोनेशिया

गुटनिरपेक्ष राष्ट्र के तौर पर इंडोनेशिया किसी एक महाशक्ति के खेमे में नहीं रहा है। उसके चीन और पाकिस्तान के साथ भी अच्छे संबंध हैं। चीन उसके प्रमुख व्यापारिक साझेदारों में शीर्ष स्थान रखता है। विदेशी निवेशक के रूप में यहां चीन की भूमिका लगातार बढ़ रही है। साल 2019 से 2024 की पहली तिमाही तक इंडोनेशिया में चीन का निवेश 30.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा है। साल 2023 में चीन ने इंडोनेशिया में 21.7 अरब डॉलर के नए निवेश का वादा किया। यही वजह है कि पिछले साल अक्टूबर में सत्ता में आने के बाद प्रबोवो सबसे पहले चीन के दौरे पर गए थे।

ऐसे में इंडोनेशिया किसी भी सूरत में चीन की शर्त पर भारत के साथ किसी तरह के रक्षा गठबंधन की संभावना पर विचार करेगा, इसकी उम्मीद कम ही है। भारत दौरे से पहले इस तरह की खबरें आई थी कि प्रबोवो भारत यात्रा के तुरंत बाद पाकिस्तान जा सकते हैं। लेकिन भारत ने रणनीतिक सूझबूझ से उन्हें पाकिस्तान दौरा टालने के लिए राजी कर लिया। हालांकि, बहुत संभावित है कि राष्ट्रपति प्रबोवो की विदेश नीति अर्थशास्त्र आधारित कूटनीति नहीं होगी बल्कि वे वैश्विक मामलों में इंडोनेशिया की प्रभावी भूमिका निभाने की दिशा में काम करना चाहेंगे।

ब्रह्मोस मिसाइल पर बातचीत

अपने चुनाव अभियान के दौरान भी उन्होंने इस बात का जिक्र किया कि इंडोनेशिया एक गुटनिरपेक्ष देश है और वो दूसरे देशों के साथ साझेदारी और दोस्ती कायम करना चाहता है। आर्थिक, सामरिक और रणनीति ऐसे कई क्षेत्र है जहां भारत इंडोनेशिया के साथ बेहतर सहयोग कर संबंधों को और अधिक मजबूत कर सकता है। प्रबोवो के वर्तमान दौरे में भारत और इंडोनेशिया के बीच रक्षा समझौता होने की संभावना है। ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली की आपूर्ति को लेकर दोनों के बीच बातचीत चल रही है। यह डील करीब 45 करोड़ डॉलर की हो सकती है। सच तो यह है कि भारत और इंडोनेशिया के लिए भविष्य में टू प्लस टू मीटिंग की मेजबानी की संभावना पर विचार करने का यह सही समय है। यही वजह है कि प्रबोवो के इस दौरे को भारत महत्वपूर्ण कूटनीतिक अवसर के तौर पर देख रहा है।

इबारत लिखने वालों को भुला नहीं पाएंगे

यह विश्व के किसी भी देश का सबसे बड़ा हस्तलिखित संविधान था। गणतंत्र-दिवस एवं संविधान की चर्चा के बीच उस शख्स की चर्चा भी होनी चाहिए, जिसने समूचा भारतीय संविधान अपने हाथ से लिखा और इसके लिए केवल कलमों, पैन व 'होल्डर' और 'निबों' की लागत के अलावा उसने एक पैसा भी परिश्रमिक नहीं लिया।

इस शख्स रायजादा प्रेमबिहारी नारायण ने कांस्टीट्यूशन हाल (अब कांस्टीट्यूशन क्लब) के एक कमरे में बैठकर 'कैलिग्राफी' में हमारे करोड़ो देशवासियों के 'मुकद्दर' एवं अधिकारों की इबारत लिखी। इस काम के लिए उसने छह माह का समय लगाया। उसके लिए बरकिंघम से 'निब' मंगाए गए थे और कुल 251 पृष्ठों की इबारत 'कैलिग्राफी' के माध्यम से उकेरी गई थी। उसके साथ ही शांति निकेतन से प्रख्यात कलाकार नंदलाल बोस और उसके कला-विषय के मेधावी छात्रों की मदद भी ली गई।

इनकी रही अहम भूमिका

उन कलाकारों ने इस जीवंत दस्तावेज के हर पृष्ठ की साज-सज्जा कलात्मक ढंग से प्रस्तुत की। कलाकार नंदलाल बोस को आधुनिक चित्रकला व प्राचीन संस्कृति से जुड़ी इबारत के अनुसार, कला पक्ष उकेरने में पूरी दक्षता हासिल थी। उसने वेदों, महाभारत और रामायण सरीखे प्राचीन ग्रंथों की छवि भी उभारी, साथ ही साथ महात्मा गांधी व नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवनवृत्त से जुड़ी कुछ कलात्मक चित्रों/छवियों को भी उभारा। नेताजी, राष्ट्रध्वज को सैल्यूट की मुद्रा में दिखाए गए, जबकि 19वें अनुच्छेद में दांडी-मार्च के भी रेखाचित्र उकेरे गए। टीपू सुल्तान को भी एक पृष्ठ की सज्जा में स्थान मिला और सम्राट अशोक को भी एक महत्वपूर्ण पृष्ठ के कोनों पर चित्रात्मक स्थान दिया गया। एक ही समय में दो भिन्न-भिन्न विषयों पर अपने दोनों हाथों से दोनों कलमों के द्वारा लिखने वाले डॉ. राजेंद्र प्रसाद भारतीय संविधान सभा के अध्यक्ष थे। महाराष्ट्र के मूलनिवासी बैरिस्टर डॉ. भीमराव अम्बेडकर भारतीय संविधान प्रारूप कमेटी के अध्यक्ष थे। भारतीय संविधान के ड्राफ्टमैन डॉ. बीएन राय, हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के स्थायी न्यायाधीश थे और भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी भी रहे। वह भारतीय संविधान निर्माण के संवैधानिक सलाहकार थे। भारतीय संविधान का ड्राफ्ट तैयार करवाने की जिम्मेदारी जवाहर लाल नेहरू ने इन्हीं डॉ. बीएन राय को सौंपी थी। डॉ. बीएन राय ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना अमेरिकन संविधान की प्रस्तावना की तर्ज पर ड्राफ्ट की थी। जैसे-अमेरिकन संविधान की प्रस्तावना में 'हम अमेरिका के लोग' दर्ज हैं, वैसे ही डॉ. बीएन राय ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना में 'हम भारत के नागरिक' के स्थान पर 'हम भारत के लोग' दर्ज किया।

पूना से मंगवाया गया कागज

इस सारे कार्य के लिए सरकार ने डॉ. बीएन राय को 25 हजार रुपये पारिश्रमिक के रूप में दिए। भारतीय संविधान को लिखने के लिए हस्तनिर्मित कागज पूना से मंगवाया गया था। उस समय

भारतवर्ष में टाइपराइटिंग मशीन नहीं थी। उस समय भारत में प्रेमबिहारी नारायण रायजादा से अधिक योग्य विद्वान एवं स्वविवेकशील कैलीग्राफिस्ट कोई अन्य नहीं था। प्रेमबिहारी नारायण रायजादा ने भारतीय संविधान को हिंदी एवं अंग्रेजी भाषा में लिखने में 303 निब होल्डर कलम और 254 स्याही दवात का इस्तेमाल किया। भारतीय संविधान की 'मूलप्रति' के प्रत्येक पेज पर इनके कॉपीराइट के तहत इनका नाम तथा अंतिम पृष्ठ पर इनके नाम के साथ इनके दादाजी का नाम आज भी दर्ज हैं। ऐसा ही विलक्षण योगदान चित्रकार नन्दलाल बोस का था जो अजंता गुफाओं के भित्तिचित्रों से बहुत प्रभावित थे। वे शास्त्रीय भारतीय संस्कृति को पुनर्जीवित करने की चाह रखने वाले कलाकारों और लेखकों के एक अंतरराष्ट्रीय समूह का हिस्सा बन गए थे। यह एक ऐसा समूह था जिसमें पहले से ही ओकाकुरा काकुज़ो, विलियम रोथेनस्टीन, योकोयामा ताइकन, क्रिस्टियाना हेरिंगम, लॉरेंस बिन्योन, अवनींद्र नाथ टैगोर और लंदन के आधुनिकतावादी मूर्तिकार एरिक गिल और जैकब एपस्टीन शामिल थे। 1930 में नमक पर ब्रिटिश कर का विरोध करने के लिए महात्मा गांधी की गिरफ्तारी के अवसर को चिह्नित करने के लिए, बोस ने गांधीजी की लाठी के साथ चलते हुए एक काले और सफेद लिनोकट प्रिंट बनाया। यह अहिंसक आंदोलन के लिए चर्चित एक प्रतिष्ठित छवि बन गई। 200 सौ साल की गुलामी के बाद भारत दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में सामने कैसे आया? इसकी कहानी बहुत दिलचस्प है। ब्रिटिश हुकूमत के शासन के अंत के साथ ही ये सवाल सबसे बड़ा था कि इतने बड़े देश के शासन की जिम्मेदारी किसे सौंपी जाए। आखिर वो कौन होगा जिसके हवाले पूरा देश होगा। आखिर कांग्रेस में वो कौन-कौन से नेता होंगे जिन्हें अंग्रेज देश चलाने की जिम्मेदारी देंगे। इसी सवाल का जवाब तलाशने के लिए 23 मार्च 1946 को कैबिनेट मिशन का एक दल दिल्ली पहुंचा। इस टीम में पैट्रिक लॉरेंस, सर स्टेपफोर्ड क्रिप्स और एवी एलेजेंडर शामिल थे। इस दल ने सभी पक्षों से मिलकर बात की और 16 मई 1946 को ये कैबिनेट मिशन इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि भारत की आजादी के बाद अंग्रेज भारत की सत्ता संविधान सभा को सौंप देंगे। इस संविधान सभा में कौन-कौन होगा, इसके लिए चुनाव होगा। ये भी तय हुआ कि संविधान सभा में कुल 389 सदस्य होंगे। 25 जून को कैबिनेट मिशन की सिफारिशों के तहत अंतरिम सरकार का गठन हुआ। संविधान सभा का मसौदा तैयार करने के लिए 7 सदस्यों की ड्राफ्टिंग कमेटी बनाई गई थी।

आंबेडकर ने तैयार किया ड्राफ्ट

इस ड्राफ्टिंग कमेटी के अध्यक्ष डॉ. आंबेडकर थे। जब संविधान का ड्राफ्ट बनाने की बात आई, तो 7 सदस्यों में से सिर्फ आंबेडकर ही मौजूद थे। इस घटना का जिक्र ड्राफ्टिंग कमेटी के सदस्य टी.टी कृष्णामचारी ने संविधान सभा में किया। टीटी कृष्णामाचारी ने नवंबर 1948 में संविधान सभा में कहा कि 'मृत्यु, बीमारी और अन्य व्यस्तताओं' की वजह से कमेटी के ज्यादातर सदस्यों ने मसौदा बनाने में पर्याप्त योगदान नहीं दिया।

इसके चलते संविधान तैयार करने का बोझ डॉ. आंबेडकर पर आ पड़ा। संविधान की सर्वसम्मति से स्वीकृति के मौके पर 25 नवंबर 1949 के उनके जिस ऐतिहासिक भाषण को बार-बार उद्धृत किया जाता है, उसमें उन्होंने कहा था कि जो श्रेय मुझे दिया गया है, इसका वास्तव में मैं ही अधिकारी नहीं हूं। उसके अधिकारी बेनेगल नरसिंह राव भी हैं, जो इस संविधान के संवैधानिक सलाहार हैं और जिन्होंने प्रारूप समित के विचारार्थ मोटे तौर पर संविधान का मसौदा बनाया। आंबेडकर ने करीब 100 दिनों तक संविधान सभा में खड़े होकर संविधान के पूरे ड्राफ्ट को धैर्यपूर्वक समझाया और हर एक सुझाव पर विमर्श किया।

डॉ. करणी सिंह स्टेडियम में गणतंत्र दिवस का उत्साह

● नन्हें खिलाड़ियों को सिर माथै बिठाया बीकानेर ने ● विभिन्न क्षेत्रों में 45 प्रतिभाओं का सम्मान

जनमार्ग न्यूज

बीकानेर। 76 वें गणतंत्र दिवस पर मुख्य जिला स्तरीय समारोह रविवार को डॉ करणी सिंह स्टेडियम में 9 बजे शुरू हुआ। इस दौरान पुलिस और आरपीएफ के जवानों ने परेड करते हुए सलामी दी। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने ध्वजारोहण करने के साथ ही परेड की सलामी ली। इस मौके पर गोदारा ने राजस्थान के गौरवशाली इतिहास का जिक्र करते हुए प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को गिनाया। ध्वजारोहण के पश्चात् गोदारा ने परेड का निरीक्षण किया और मार्च पास्ट की सलामी ली जाएगी। इस दौरान स्कूली विद्यार्थियों द्वारा व्यायाम प्रदर्शन, योग प्रदर्शन और भारतीयम, सांस्कृतिक कार्यक्रम का प्रदर्शन किया। विभिन्न विभागों ने झांकी प्रदर्शित करते हुए पिछले वर्षो में हुए नवाचारों के बारे में बताया। जिले में सामाजिक सेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले तथा राजकीय सेवाओं में उल्लेखनीय कार्य करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में बड़ी संख्या में नेशनल और इंटरनेशनल लेवल पर खेलने वाले खिलाड़ी भी थे। वहीं सफाई कर्मचारियों से लेकर आला अधिकारी तक सम्मानित हुए। इनमें राष्ट्रीय स्तर पर शतरंज खेलने वाले होमिल मदान, पैरा तीरंदाज कुमारी शिवानी भादानी, कुश्ती खिलाड़ी आदित्य तावणियां, पैरा तैराक सुश्री येशु स्वामी, पैरा तैराक व कनिष्ठ लेखाकार विद्यावती कुमारी, टेबल टेनिस खिलाड़ी अंजलि धतरवाल, नोखा उपखंड अधिकारी गोपाल जांगिड़, तहसीलदार कमलेश महरिया, वेटरनरी कॉलेज के सहायक आचार्य डॉ. अरुण कुमार झीरवाल, कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. आर.के. शिवरान, क्षेत्रीय विधि विज्ञान प्रयोगशाला के अतिरिक्त निदेशक वी. वेंकटेश, सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के सह आचार्य डॉ. मनोज कुमार माली, पूगल के चिकित्सा अधिकारी डॉ. रामस्वरूप ज्याणी, अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक गजानन्द सेवग, अभियोजन अधिकारी संजीव पुरोहित, वरिष्ठ विधि अधिकारी कपिल तंवर, सहायक विकास अधिकारी श्रीडूंगरगढ़ गिरधारी दास स्वामी, अधिशासी अभियंता राजेंद्र बैरवा, रेंजर योगेंद्र सिंह राठौड़, सीडीपीओ नवरंग लाल मेघवाल, सहायक लेखाधिकारी दया निधि तिवाड़ी, नगर निगम के सहायक लेखाधिकारी रिद्धकरण प्रजापत, सहायक लेखाधिकारी जिला परिषद गिरिराज किशोर रंगा, भू अभिलेख मुहम्मद रियाज भाटी, भू अभिलेख निरीक्षक रामेश्वर लाल प्रजापत, अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी सीएडी भंवरलाल उपाध्याय, प्रारम्भिक शिक्षा निदेशालय के सहायक प्रशासनिक अधिकारी जितेंद्र सिंह पड़िहार, आबकारी विभाग के सहायक निदेशक नरेंद्र सिंह ओली, श्रीडूंगरगढ़ के उप खंड अधिकारी राजकुमार बिश्नोई, प्रबोधक शमशाद कादरी, सहायक प्रोग्रामर कैलाश भोजक, परिवहन निरीक्षक करणाराम, सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज नर्सिंग ऑफिसर रजब अली भाटी, कलेक्टर कार्यालय के वरिष्ठ सहायक मनीष कुमार श्रीमाली, पीडब्ल्यूडी के वरिष्ठ सहायक मक्खनलाल व्यास, जिला परिषद् के कनिष्ठ सहायक अमित कुमार पारीक, वन विभाग के सहायक कर्मचारी रतनलाल, नगर निगम की सफाई कर्मचारी नेहा देवी, संभागीय आयुक्त कार्यालय के जमादार दिलीप सिंह, समाज सेवी मदनमोहन छंगाणी, मुकेश कुमार पुनिया, ठाकुरदास स्वामी, राम मंडा व पंजाब नेशनल बैंक के कर्मचारी रामवतार सेन को सम्मानित किया गया।

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2025) की पूर्व संध्या पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन शनिवार को एसडी बिहाणी कॉलेज के ऑडिटोरियम में किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर एक देशभक्ति से ओतप्रोत विभिन्न कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दीं। इससे पहले जिला कलक्टर डॉ. मंजू और गंगानगर विधायक जयदीप बिहाणी ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की। ब्लूमिंग डेल्स इंटरनेशनल स्कूल की टीम में पधारो म्हारे देश.... की प्रस्तुति दी। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने कत्थक नृत्य कृष्ण राग, नए भारत का चेहरा हूं, म्हारे राजपूतां ने खम्माघणी, मेरा देश बदल रहा है, देश रंगीला, इतिहास का मैं आईना हूं, केसरी रंग सजाया है, राही तू चलता ही जाए, राजस्थानी नृत्य, जलवा तेरा जलवा और पंजाबी गिद्दा सहित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। उपस्थितजनों ने तालियां बजाकर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। अतिथियों द्वारा प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला परिषद सीईओ सुभाष कुमार, नगर विकास न्यास सचिव अशोक असीजा, प्रशिक्षु आईएएस रजत यादव, प्रशिक्षु आईपीएस अजय राठौड़, महिला एवं बाल विकास विभाग की उपनिदेशक श्रीमती सुमित्रा बिश्नोई, एसीईएम श्रीमती स्वाति गुप्ता, सीडीईओ गिरजेशकान्त शर्मा, कृषि विभाग की उपनिदेशक श्रीमती प्रीति गर्ग, महिला अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक विजय कुमार, प्रशिक्षु आरएएस, विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थी, उनके अभिभावक और स्टाफ सहित अन्य मौजूद रहे। मंच संचालन भारत सिडाना, अमृत लाल, श्रीमती मीनाक्षी आहूजा ने किया। राष्ट्गान से कार्यक्रम का समापन हुआ।

JANMARG news
Janmarg News Youtube Channel
जनमार्ग

राजकीय विद्यालय कान्हेवाला में वार्षिकोत्सव कार्यक्रम संपन्न

जनमार्ग न्यूज

गोलूवाला। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, कान्हेवाला में वार्षिकोत्सव वह पुरस्कार वितरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। राष्ट्रीय मतदाता दिवस का अवसर होने पर लोकतांत्रिक मूल्यों के संरक्षण के लिए कार्यक्रम में उपस्थित समस्त नागरिकों अभिभावकों व विद्यार्थियों द्वारा मतदाता शपथ ग्रहण की गई। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ओम प्रकाश सहारण सरपंच ग्राम पंचायत कान्हेवाला रहे एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य जगदीश चंद्र पूनिया द्वारा की गई। जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे मानस अभियान कार्यक्रम से प्रेरित होकर नशा मुक्ति पर इस कार्यक्रम में लघु नाटिका का प्रदर्शन बच्चों द्वारा किया गया एवं कार्मक्रम संचालन कर्ता व्याख्याता राजेंद्र सिंह सहू द्वारा मानस अभियान के तहत नशा मुक्ति के लिए समस्त नागरिकों को शपथ ग्रहण करवाई गई। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को उनकी शैक्षिक एवं शहर शैक्षणिक उपलब्धियां के लिए अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया एवं राजकीय सेवा में चयनित होने पर पूर्व विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य जगदीश चंद्र पूनिया ने विद्यालय की भौतिक उन्नति के लिए करते हुए आगे भी इस सहयोग को बरकरार रखने की अपेक्षा की। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां द्वारा समां बांधा। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथियों में कपूर सिंह, जग सिंह, राय सिंह, जयपाल सहारण, पवन सहारण, मनदीप सिद्धू, पन्नालाल बृजलाल छिंपा के साथ-साथ बड़ी संख्या में अभिभावक भी उपस्थित रहे।

अग्रवाल गर्ल्स कॉलेज में ध्वजारोहण

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। स्थानीय अग्रवाल गर्ल्स कॉलेज में 76 वे गणतंत्र दिवस के पावन पर्व पर मुख्य ट्रस्टी श्रीमती गायत्री देवी ने ध्वजारोहण किया तथा सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। डॉ. अरूण वत्स ने इस अवसर पर तिरंगा झंडा व गणतंत्र दिवस की कुछ महत्वपूर्ण बातें भी साझा की। इस अवसर पर प्रबंध समिति के अध्यक्ष श्री श्याम सुन्दर गीदडा, सचिव पीयूष गीदडा, सदस्य श्री मती मन्जु देवी गीदडा, श्रीमती निधी गीदडा, श्रीमती मोनिका जैन, डॉ. एस.के. मंगल, प्राचार्य डॉ. अरूण वत्स, संकाय सदस्य एवं समस्त कर्मचारी उपस्थित थे। ध्वजारोहण के बाद सभी को प्रसाद का वितरण भी किया गया।

साढ़े सात लाख की हेरोइन के साथ तस्कर पकड़ा

22 साल के युवक से 150 ग्राम नशीला पदार्थ जब्त

जनमार्ग न्यूज

अनूपगढ़। रामसिंहपुर पुलिस और डीएसटी टीम ने नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई में एक युवक को 150 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में जब्त की गई हेरोइन की कीमत साढ़े 7 लाख रुपए आंकी गई है। थाना प्रभारी सुभाष बरोला के अनुसार, अपराधों की रोकथाम के लिए अनूपगढ़-सूरतगढ़ स्टेट हाईवे पर गांव 72 जीबी के मोड़ पर नाकाबंदी की गई थी। इस दौरान एक बाइक सवार युवक पुलिस को देखकर घबरा गया। पूछताछ में युवक ने अपना नाम जसकरण सिंह (22) पुत्र प्रेम सिंह बताया और बताया कि वह गांव 4 ए अनूपगढ़ का रहने वाला है। पुलिस को युवक की हरकतें संदिग्ध लगने पर जब तलाशी ली गई तो उसके पास से 150 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया और उसकी बाइक को भी जब्त कर लिया। मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

नेहरू सहकार भवन में हर्षोल्लास से मनाया गया गणतंत्र दिवस

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। 76वां गणतंत्र दिवस रविवार को नेहरू सहकार भवन परिसर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त रजिस्ट्रार (प्रथम) श्रीमती शिल्पी पांडे ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी। सहकारिता विभाग, राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय सहकारी संस्थाओं के अधिकारी व कर्मचारी इस दौरान उपस्थित रहे। विभिन्न अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा इस अवसर पर देशभक्ति से ओतप्रोत गीतों और कविताओं की प्रस्तुति दी गई। इस मौके पर सभी को मिष्ठान वितरित किया गया।

दस हजार के इनामी समेत दो नशा तस्कर गिरफ्तार

● रावला पुलिस ने पकड़ी थी 28 हजार नशीली गोलियां

जनमार्ग न्यूज

अनूपगढ़। रावला पुलिस ने नशा तस्करी के मामले में बड़ी कामयाबी हासिल की है। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के दो अलग-अलग मामलों में फरार चल रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें से एक पर 10 हजार रुपए का इनाम घोषित था। रावला थाना प्रभारी नवदीप सिंह ने बताया कि पहले मामले में 15 मार्च 2022 को 28,000 अवैध ट्रामाडोल गोलियां बरामद की गई थीं। इस मामले में बीकानेर के सुरासर निवासी प्रकाश (25) फरार चल रहा था, जिसे अब गिरफ्तार कर लिया गया है। दूसरे मामले में 9 अगस्त 2022 को दर्ज प्रकरण में बज्जू थाना क्षेत्र के बागण्डसर निवासी सद्दाम हुसैन उर्फ सदो (26) को पकड़ा गया है। सद्दाम पर 10 हजार रुपए का इनाम घोषित था। पुलिस ने दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम का गठन किया था। टीम में सूरतगढ़ शहर के एएसआई ताराचंद, श्रीविजयनगर के हेड कॉन्स्टेबल धर्मेंद्र, राजियासर के कॉन्स्टेबल परताराम, नई मंडी घड़साना के कॉन्स्टेबल बाबूलाल और सूरतगढ़ यातायात पुलिस के कॉन्स्टेबल आत्माराम शामिल थे। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी में एएसआई ताराचंद की विशेष भूमिका रही। पुलिस अब दोनों आरोपियों के खिलाफ अन्य थानों में दर्ज आपराधिक रिकॉर्ड की भी जांच कर रही है।

लखूवाली के सरकारी स्कूल में वार्षिकोत्सव का आयोजन

जनमार्ग न्यूज

पीलीबंगा। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय वार्ड नंबर 2 लखूवाली पीलीबंगा में शनिवार को वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विद्यालय विकास समिति अध्यक्ष अमनजोत कौर ढिल्लो एवं प्रधानाध्यापक उपेंद्र कुमार शर्मा ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। स्कूली विद्यार्थियों ने देशभक्ती एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। बालिकाओं ने गिद्दे की प्रस्तुति दी। इंटर्नशिप अध्यापिका खुशबू अग्रवाल ने नशा मुक्ति पर नाटक मंचन करवाया, जिसकी सभी ने सराहना की। वहीं हर वर्ष की भांति खालसा लंगर सेवा समिति ने बच्चों के लिए पुरस्कार भेंट किये। दानदाता मिठूसिंह ढिल्लों ने विद्यार्थियों के लिए शिक्षण सामग्री भेंट की। कक्षाओं में अच्छे अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इंटर्नशिप अध्यापिका कोमल, सोनू सिहाग, इंदु सिहाग, विनीता यादव, विशाखा वर्मा, कोमल वर्मा ने सांस्कृतिक कार्यक्रम को तैयारी में विशेष रूप से योगदान दिया। प्रियंका, रोशन लाल, हिमांशु, प्रवीण कुमार ने अनुशासन समिति का कार्य किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अभिभावक और कस्बेवासी मौजूद रहे।

गणतंत्र दिवस विशेष

समृद्ध विरासत से प्रेरित होकर फिर बनेगा स्वर्णिम भारत

आज पूरा भारत देश, हर देशवासी गर्व और उत्साह-उमंग के साथ 76वें गणतंत्र दिवस का उत्सव मना रहा है। यह पर्व भरपूर उल्लास से हम जरूर मनाएं, लेकिन साथ ही हम सब इस बात पर भी जरूर विचार करें कि किस तरह हमारा भारत देश फिर से अतीत के स्वर्णिम स्वरूप को प्राप्त कर सकता है? देश की भव्य विरासत और विविधरंगी कला-संस्कृति की धरोहर से प्रेरित होकर आज हम सब भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए हर संभव प्रयास करने का संकल्प जरूर लें।

आज मनाए जा रहे अपने देश भारत के 76वें गणतंत्र दिवस का थीम है- 'स्वर्णिम भारतः विरासत व विकास।' भारत सरकार ने सभी मंत्रालयों और राज्यों से पहले ही कह रखा है कि गणतंत्र दिवस परेड में वे अपनी झांकियों में देश की विरासत और विकास को प्रदर्शित करें। ये शानदार झांकियां, गणतंत्र दिवस की परेड में आज दिल्ली में आयोजित हो रहे भव्य कार्यक्रम में प्रदर्शित की जाएंगी। आज के इस विशेष राष्ट्रीय उत्सव में मुख्य अतिथि के तौर पर इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो शामिल हो रहे हैं।

इसलिए चुनी गई यह तारीख

हम सभी देशवासी जानते हैं कि गणतंत्र दिवस, हर साल 26 जनवरी को मनाया जाने वाला राष्ट्रीय पर्व है, जो इसलिए मनाया जाता है क्योंकि 1950 में 26 जनवरी को ही संविधान ने भारत के प्रशासनिक दस्तावेज के रूप में गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट 1935 की जगह ली थी। हालांकि भारत की संविधान सभा ने 26 नवंबर 1949 को ही संविधान स्वीकार कर लिया था, लेकिन इसे लागू 26 जनवरी 1950 को किया गया। गणतंत्र दिवस के लिए 26 जनवरी की तिथि का चयन इसलिए किया गया, क्योंकि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने 26 जनवरी 1930 को ब्रिटिश शासन से पूर्ण स्वराज की घोषणा की थी।

समझें देश की विरासत की महत्ता

हम सब गणतंत्र दिवस पर जश्न इसलिए मनाते हैं कि हम भारतीय संविधान के प्रावधानों को हमेशा याद रखें और उनका पालन करने के लिए हमेशा प्रतिबद्ध रहें। संविधान के प्रावधानों के अर्थ को समझें और सुनिश्चित करें कि स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों के भारत का निर्माण कर सकें। जिस तरह सदियों पहले भारत देश सोने की चिड़िया कहलाता था। उसे फिर से वैसा ही बनाना है, वही गौरव दिलाना है। यह तभी मुमकिन हो सकेगा कि जब हम अपनी विरासत को समझेंगे और आधुनिक तर्ज पर भारत के विकास में अपनी भूमिका निभाएंगे।

बहुत विशिष्ट है इस वर्ष की थीम

इस वर्ष के गणतंत्र दिवस समारोह की थीम 'स्वर्णिम भारतः विरासत व विकास' सटीक और सारगर्भित है। भारत एक देश के भीतर एक महाद्वीप की तरह है, जिसकी सांस्कृतिक विरासत समृद्ध और विविधताओं से भरी है। यह लगभग 5000 साल पुरानी विरासत देश के महान-बहुरंगी अतीत को प्रतिबिंबित करती है। प्राचीन सिंधु घाटी की सभ्यता से लेकर आज की वर्तमान संस्कृति तक भारत की गौरवमयी गाथा परंपराओं, आस्थाओं और कलाओं में बुनी हुई है, जिनसे अनेक देशज समूह और धर्मों को आकार मिला है।

बहुरंगी है भारतीय संस्कृति

भारत में प्रत्येक सांस्कृतिक कलाकृति और विरासत, देश की साझा संस्कृतियों का हिस्सा है, जो अतीत को वर्तमान से जोड़ता है। लेकिन आज के भूमंडलीकृत संसार में इस विरासत को बचाए रखना कठिन चुनौती है। सांस्कृतिक कलाकृतियों का संरक्षण और व्याख्या का प्रयास, आधुनिकता के दबावों की गति के अनुरूप होना चाहिए। इन चुनौतियों के बावजूद इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि भारत की सांस्कृतिक विरासत देश की एकता और अखंडता का स्रोत है, जो किसी समय सीमा में नहीं बंधा हुआ है। सांस्कृतिक विरासत जीने के तरीकों की वह अभिव्यक्ति है, जो एक समुदाय विकसित करता है और फिर वह रीति-रिवाजों, प्रथाओं आदि के रूप में पीढ़ी दर पीढ़ी चली आती है।

अमूल्य है सांस्कृतिक विरासत

यूनेस्को के अनुसार सांस्कृतिक विरासत, प्रोडक्ट और प्रोसेस दोनों होती है, जो समाजों को संसाधनों की वह दौलत प्रदान करती है, जो अतीत से विरासत में मिलते हैं। वर्तमान में इनकी रचना होती है और फिर ये भविष्य की पीढ़ियों के लाभ के लिए छोड़ दिए जाते हैं। सांस्कृतिक विरासत मुख्यतः दो प्रकार की होती हैं। एक के तहत इमारतें, स्मारक आदि आते हैं यानी वे चीजें जिन्हें बनाया जाता है जैसे लालकिला, ताजमहल, राजस्थान के पहाड़ी किले, प्राचीन मंदिर आदि। दूसरा- प्रथाएं, ज्ञान, कलाएं आदि। इनमें कलाकृतियों, लोकनृत्य, लोकसाहित्य आदि के साथ ही रामलीला, कुंभ मेला आदि भी शामिल किए जा सकते हैं।

विविधता को बनाएं हम अपनी शक्ति

भारत उत्सवों का भी देश है। यहां लगभग रोज ही देश में कहीं न कहीं कोई न कोई उत्सव मनाया जाता है। अपने देश में धार्मिक विविधता भी भरपूर है। हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, जैन, बौद्ध आदि कई धर्मों के लोग यहां रहते हैं। हालांकि संविधान ने 22 भाषाओं को ही आधिकारिक माना है, लेकिन भारत में 1,600 से अधिक भाषाएं बोली जाती हैं।

3अपनी सामाजिक और सांस्कृतिक प्रथाओं में भारत विशिष्ट है। जन्म से लेकर विवाह, और मृत्यु संस्कार तक के इतने अलग-अलग रीति-रिवाज हैं कि कई ग्रंथ संकलित किए जा सकते हैं। अपनी सांस्कृतिक विरासत को बेहतर समझने से हमें अपनी व्यक्तिगत पहचान का भी बोध होता है। अतीत को वर्तमान से जोड़ने पर ही राष्ट्र की पहचान बनती है, राष्ट्र मजबूत होता है और देश विकास करता है। सांस्कृतिक विरासत की समझ से जो साझा पहचान बनती है, वह क्षेत्रीय, भाषायी और धार्मिक सीमाओं के अंतर को पार करती हुई नागरिकों को एकता के सूत्र में बांधती है और यही देश के आर्थिक विकास का आधार बनता है। इसलिए गणतंत्र दिवस के अवसर पर जो विरासत और विकास से संबंधित विभिन्न झांकियां आज देखने को मिलेंगी, वो हम सभी देशवासियों को प्रेरित करेंगी कि भारत का भविष्य भी स्वर्णिम हो जाए, एक बार फिर सोने की चिड़िया कहलाने लगे, इसके लिए हम अपने स्तर पर हर संभव प्रयास करें। *

दिखता है लोककला-ज्ञान का संगम

भारत की सांस्कृतिक विरासत न केवल संसार में सबसे प्राचीन विरासतों में से एक है बल्कि बहुत विस्तृत और विविधतापूर्ण भी है। सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासतों के कारण भारत, विविधताओं का देश कहलाता है। भारत में ज्ञान, विज्ञान और जीवन दर्शन का विकास अनुभव, अवलोकन, प्रयोगों और विश्लेषण से हुआ है। तभी हमें योग, आयुर्वेद जैसी विलक्षण सौगातें मिली हैं। भारत की लोकसंस्कृति परंपराओं, कलाओं और रीति-रिवाजों का अदभुत संगम है, जो पीढ़ी दर पीढ़ी सिंधु घाटी की सभ्यता से निरंतर चली आ रही हैं। इनमें क्षेत्रीय प्रथाएं, दस्तकारी, संगीत, नृत्य आदि शामिल हैं, जैसे महाराष्ट्र का लावणी नृत्य, बिहार की मधुबनी चित्रकारी आदि। साहित्य और कविता के क्षेत्रों में भी प्राचीन समय से आज तक निरंतर विकास हो रहा है। जहां तक आर्ट और आर्किटेक्चर की बात है तो प्राचीन और आधुनिक संरचनाओं का भी विलक्षण संगम अपने देश में दिखता है। खजुराहो और अजंता-एलोरा के मंदिरों-गुफाओं से लेकर ताजमहल, लाल किला, हवा महल होते हुए संसद की नई इमारत तक।

नई पीढ़ी रच सकती है गणतंत्र का नया स्वरूप

आज भारत के गणतांत्रिक सफर के 75 सालों बाद अगर हमें और तेजी से आगे बढ़ना है, अपने गणतांत्रिक मूल्यों, संस्कारों और संस्कृति को जीवंत बनाए रखना है, तो युवाओं को आगे बढ़कर एक नए गणतंत्र के रूप में भारत के सृजन की जिम्मेदारी लेनी होगी।

भारत के गणतांत्रिक इतिहास में गुजरे 75 साल बेहद रचनात्मक और बहुत उपलब्धियों से भरपूर रहे हैं। लेकिन प्रगति का यह सफर अनवरत जारी रहे, इसके लिए बदलती जरूरतों के अनुसार समय-समय पर पुरानी पीढ़ी से नई पीढ़ी को अपने हाथ में जिम्मेदारियां लेनी होती हैं। मिली हुई विरासत में कमियां निकालने के बजाय उन्हें खुद इसका विस्तार और इसे मजबूत बनाने का उपक्रम करना चाहिए। इसके लिए युवाओं को कुछ इस तरह हर पग समझदारी से बढ़ाना चाहिए।

संविधान को समझें

अपनी आजादी और गणतांत्रिक देश के सम्मान का सबसे अच्छा तरीका है, हमें अपने संविधान का सम्मान करना चाहिए, इसके प्रति संवेदनशील होना चाहिए। युवाओं को सबसे पहले भारतीय संविधान की प्रस्तावना पढ़नी चाहिए और इसमें लिखे शब्दों को जीवनमूल्य के रूप में आत्मसात करना चाहिए। सोशल मीडिया का इस्तेमाल भी संविधान के विभिन्न अनुच्छेदों को समझने और एक नागरिक के रूप में, संविधान में मिले अधिकारों का प्रचार-प्रसार करने में कर सकते हैं, इससे उनमें स्वतंत्रता और जिम्मेदारियों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ेगी।

समाज सेवा-सांस्कृतिक उल्लास

युवाओं को अपने नागरिक कर्तव्यबोध को आत्मसात करने के लिए और उसके प्रति संवेदनशील होने के लिए स्थानीय स्तर पर समाज सेवा का काम करना चाहिए जैसे-अपने गली-मुहल्ले और आस-पास के इलाकों में स्वच्छता अभियान चलाएं, पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाएं। ऐतिहासिक और सार्वजनिक स्थानों के प्रति खुद भी संवेदनशील बनें और लोगों को बनाएं, गरीब और जरूरतमंद लोगों की न सिर्फ मदद करें बल्कि शासन-प्रशासन से उन्हें मदद दिलवाने में मददगार बनें, अपने इर्द-गिर्द शिक्षा से जुड़े कार्यक्रमों को आयोजित करें और लोगों को शिक्षित, प्रशिक्षित करने में अपनी भूमिका अदा करें। एक सच्चे नागरिक और लोकतांत्रिक होने के नाते युवाओं को अपनी संस्कृति और परंपराओं से प्यार करना चाहिए। स्थानीय लोकनृत्यों, संगीत और कलाओं को समझना चाहिए। इनसे संबंधित कार्यक्रमों में पूरी दिलचस्पी के साथ हिस्सेदारी करनी चाहिए।

खेलों में बढ़ाएं देश का नाम

किसी देश को गौरव के क्षण प्रदान करने के लिए खेलों की भी अपनी भूमिका होती है। भारतीय युवाओं को खेल गतिविधियों में भाग लेकर देश को इस तरह के गौरव के क्षण से रूबरू कराना चाहिए। यह भी बहुत बड़ी देशभक्ति और समाज के प्रति संवेदनशील होना है। इसलिए युवाओं को ज्यादा से ज्यादा स्पोर्ट्स गतिविधियों में हिस्सा लेना चाहिए। इसके लिए अपनी फिटनेस पर खासतौर से ध्यान देना चाहिए। जो लोग फिट होते हैं, स्वस्थ होते हैं, वे अपना हर काम बेहतर तरीके से पूरा कर पाते हैं। फिट रहना, स्पोर्टी होना, ये हमारे निजी गुण तो हैं ही, इससे हम अपने देश को प्रतिष्ठा दिलाने में सहायक हो सकते हैं।

आर्थिक विकास में योगदान

युवाओं को यह नहीं समझना चाहिए कि राष्ट्र निर्माण में वो तभी भागीदारी कर सकते थे, जब स्वतंत्रता संग्राम के दिनों में पैदा होते। जी नहीं, किसी राष्ट्र को हमेशा राष्ट्र निर्माण करने वालों की जरूरत होती है। आज के युवाओं को देश में साइंटिफिक टैंपरामेंट पैदा हो, इसके लिए उन्हें शिक्षा, विज्ञान और तकनीकी नवाचार में जहां खुद अपने कौशल को विकसित करके भागीदार बनना चाहिए, वहीं ज्ञान, विज्ञान और तकनीक के प्रति जिज्ञासु रवैय्या अपनाकर युवा राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते हैं। युवाओं को शिक्षा, विज्ञान, तकनीकी नवाचार में अपने रचनात्मक कौशल से योगदान देना चाहिए। भारतीय लोकतंत्र के लिए यह सबसे बड़ा योगदान हो सकता है कि वे अपनी उद्यमिता से रोजगार के अवसर विकसित करें।

करप्शन रोकने में सहायक

इसमें कोई दो राय नहीं है कि आज भारतीय गणतंत्र को अगर सबसे ज्यादा किसी एक बुराई से खतरा है, तो वह भ्रष्टाचार है। तमाम तकनीकी उन्नति और कारोबारी प्रगति के बावजूद भारतीय समाज भ्रष्टाचार से जकड़ा हुआ है। युवाओं को इस भ्रष्टाचार की बुराई को दूर करने के लिए प्रयास करना चाहिए। यह न केवल देश के लोकतंत्र के लिए एक बड़ा खतरा है बल्कि यह युवाओं के भविष्य को भी बर्बाद कर देता है। भारत को अगर विश्व गुरु बनना है, दुनिया को राह दिखाने वाला जीवंत लोकतंत्र बनना है तो भ्रष्टाचार से मुक्त होना ही होगा और इसका बीड़ा युवाओं को ही उठाना होगा। *

बड़े साहब की चाय

इंसान छोटा या बड़ा नहीं होता, हर इंसान की अपनी एक अहमियत है। बड़े से बड़े आदमी के सामने एक छोटा सा इंसान बहुत अहम हो सकता है। आम आदमी की ताकत पर केंद्रित कहानी।

आज बड़े साहब ऑफिस के काम से कहीं बाहर जा रहे थे। जाते-जाते शाम हो गई थी। अचानक उनकी गाड़ी रुक गई। बड़े साहब ने ड्राइवर से पूछा, 'क्या हुआ? अचानक गाड़ी क्यों रोक दी?'

ड्राइवर चिंतित स्वर में बोला, 'लगता है इंजन में कुछ खराबी आ गई है। गाड़ी स्टार्ट नहीं हो रही है। अब यहां सुनसान सड़क पर मिस्त्री कहां मिलेगा?'

बड़े साहब ने देखा सड़क के किनारे कहीं दूर से धुंआ उठ रहा था। वह बोले, 'देखो, वहां कोई झोपड़ी-सी दिख रही है। जाकर पूछो, शायद कोई मिल जाए।'

ड्राइवर हां में सिर हिलाते हुए तुरंत गाड़ी से उतर गया। कुछ दूरी पर ही एक चाय का टपरा था। वहां कुछ लोग बैठे हुए अलाव ताप रहे थे। वे लोग चाय की चुस्कियों के साथ देश की राजनीति और आम आदमी पर चर्चा कर रहे थे। टपरे वाला भी उनकी बातों में हां में हां मिला रहा था। ड्राइवर को देख वे लोग चुप हो गए। एक ने पूछा, 'लगता है आप सरकारी ड्राइवर हो?'

ड्राइवर ने बताया, 'हां जी, मैं सरकारी ड्राइवर हूं। हमारी गाड़ी बिगड़ गई है। यहां कोई मिस्त्री मिलेगा क्या? हमें बहुत दूर जाना है। गाड़ी में बड़े साहब बैठे हैं।'

टपरे वाले ने मुस्कुराते हुए कहा, 'भइया, यहां आस-पास तो कोई मिस्त्री नहीं है। पर हां यहां से कोई आठ किलोमीटर पर एक गांव है। वहां एक मिस्त्री है तो लेकिन यहां तक वह आएगा कि नहीं, यह मैं नहीं कह सकता। मूडी टाइप का है वह। फोन करके देख लो। यह लो उसका मोबाइल नंबर।'

ड्राइवर ने उस मिस्त्री को फोन लगाया, 'सुनो मिस्त्री जी, हमारे बड़े साहब की गाड़ी बिगड़ गई है। रास्ते में खड़ी है। आप यहां मुढ़ीपार रोड के पास आ जाइए।'

उधर से जवाब आया, 'ठीक है भाई, आधा से पौना घंटा लग सकता है, क्योंकि मेरे पास गाड़ी नहीं है। अगर कोई लिफ्ट मिलेगी तो आ जाऊंगा। देखो न ठंड भी कड़ाके की है।'

ड्राइवर ने अपने लिए एक चाय बनवाई और गाड़ी के पास आ गया। बड़े साहब गाल पर हाथ धरे चुपचाप बैठे थे। ड्राइवर ने सारी बातें बड़े साहब को बताईं और पूछा, 'साहब चाय पिएंगे क्या? गुड़ और अदरक वाली है। अच्छी है, ठंड में आपको राहत देगी।'

साहब ने यह सुनकर मुंह बिचकाया बोले, 'मैं भला इस टपरे की चाय पिऊंगा? सोच-समझ कर बोला करो, मेरा स्टेटस मायने रखता है।'

यह सुनकर ड्राइवर का चेहरा उतर गया।

ठंड के मौसम की सांझ आंख-मिचौली खेलते हुए अचानक कब गायब हो जाती है, अंधेरा घिर आता है, पता ही नहीं चलता। अब तो ठंड और भी बढ़ चली थी। ड्राइवर ने मिस्त्री को फिर फोन लगाया पर यह क्या, यहां तो नेटवर्क ही नहीं था। वह बहुत चिंतित हो गया-अब क्या करें?

इधर बड़े साहब झुंझला रहे थे कि अब तक मिस्त्री क्यों नहीं आया? उधर टपरे से लगातार धुंआ उठ रहा था। गुड़ के चाय की खुशबू हवा के झोंकों में आ रही थी। साहब को चाय की खुशबू ललचा रही थी। मन तो कर रहा था कि चाय पी लिया जाए लेकिन साहबियत आड़े आ रही थी। गाड़ी में लगातार बैठे हुए वह उकता चुके थे। अब तो रात हो चुकी थी। टपरे से कोई आवाज नहीं आ रही थी।

बड़े साहब ने ड्राइवर से कहा, 'जाओ उस चाय वाले से पूछो कि वह मिस्त्री आएगा कि नहीं।'

'साहब थोड़ा आप साथ चलते तो उस टपरे वाले पर दबदबा बनता।' ड्राइवर ने डरते-डरते साहब से कहा।

'चलो देखते हैं।' कहते हुए बड़े साहब गाड़ी से उतर गए। बाहर भयानक ठंड ने जैसे साहब को जकड़ लिया। वह शी-शी करते कांपने लगे। अब तो चाय की तलब उन्हें जोरों से लगने लगी। वह मन ही मन गुड़-अदरक वाली चाय पीने की सोचने लगे। तभी टपरे वाला बोला, 'साहब अब तो इतनी रात इतनी ठंड में कोई नहीं आने वाला। सुबह ही आपकी गाड़ी ठीक हो पाएगी। आपको तो यहीं रात बितानी पड़ेगी। छोटा मुंह बड़ी बात, बुरा न मानें तो आप लोग इस गरीब के टपरे में आराम कर सकते हैं।' साहब धीरे से बोले, 'चाय मिल जाती तो अच्छा होता।' यह सुनते ही ड्राइवर चौंक पड़ा। उसके चेहरे पर मुस्कान तिर आई। ड्राइवर ने टपरे वाले से कहा, 'साहब को बढ़िया स्पेशल चाय पिलाओ भाई! ये बहुत बड़े साहब हैं।'

यह सुनकर टपरे वाले ने कहा, 'भई! बड़े साहब हों या कोई छोटा आदमी यह तो मैं नहीं जानता। हमारे लिए तो सभी ग्राहक एक समान भगवान जैसे होते हैं। अभी तो मेरा चूल्हा भी बुझ गया है। मैं तो घर जाने ही वाला था कि आप लोग आ गए। साहब की मजबूरी देखकर ही अब मुझे चूल्हा फिर से जलाकर चाय बनानी पड़ेगी।'

बड़े साहब ने राहत की सांस ली। खामोशी से चाय बनने का इंतजार करने लगे। वह मन ही मन समझ रहे थे- एक छोटे से छोटे आदमी का अपना महत्व है, कोई छोटा नहीं होता। *

एक करोड़ 5 लाख के साइबर फ्रॉड में आरोपी गिरफ्तार

● आरोपी के खाते में जमा हुए थे तीन लाख रुपए

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। श्रीगंगानगर जिले में दो महीने पहले एक करोड़ 5 लाख से अधिक के उजागर हुए साइबर फ्रॉड मामले में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। साइबर थाना पुलिस के मुताबिक हरियाणा के पलवल जिले में होडल कस्बे की आदर्श कॉलोनी निवासी सचिन ठाकुर (25) को गिरफ्तार कर लाया गया है। उसके अकाउंट में उक्त राशि में से 2 लाख 98 हजार रुपए जमा हुए थे। इस राशि को सचिन और उसके छोटे भाई अंकित ने क्रेडिट कार्ड से इस्तेमाल किया था। राशि को दोनों भाइयों ने खुर्द-बुर्द कर दिया। अंकित की भी पुलिस ने धरपकड़ के प्रयास किये, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। वह अपने घर तथा अन्य ठिकानों से गायब है। अंकित होडल में मिठाई के डिब्बे बनाने का काम करता है जबकि अंकित एक पेट्रोल पंप पर सेल्समैन था। साइबर ठगी के इस मामले में पूर्व में 8-9 युवकों को गिरफ्तार किया जा चुका है। मुकदमा दर्ज करवाने वाली जसविंदरकौर निवासी चक 22-एमएल और उसके पति सोहनसिंह को अपनी ठगी गई राशि में

से अभी तक सिर्फ 5 लाख रुपए ही मिले हैं। यह रुपए भी साइबर थाना पुलिस द्वारा जयपुर से गिरफ्तार किए गए तीन युवकों में से एक ने सीधे पीड़ितों के बैंक अकाउंट में जमा करवाई है। शेष एक करोड़ की राशि में से साइबर पुलिस अभी तक एक रुपया भी बरामद नहीं कर पाई। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री सुरेंद्रपालसिंह टीटी की रिश्ते में लगती बहन जसविंदरकौर द्वारा विगत 18 नवंबर को साइबर थाना में अज्ञात व्यक्तियों पर उसे और उसके पति को डिजिटल अरेस्ट कर एक करोड़ 5 लाख 5 लाख 69 हजार 960 रुपए ठगने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज करवाया था। पुलिस ने जयपुर, भोपाल और बीकानेर के 8-9 युवकों को गिरफ्तार किया है। अब हरियाणा के उक्त युवक को पकडकर लाया गया,जिसे आज अदालत में पेश किया गया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि उक्त ठगी गई राशि में से 2 लाख 98 हजार रुपए सीधे सचिन ठाकुर के खाते में जमा हुए थे। सचिन का बैंक अकाउंट नंबर उसके भाई अंकित ने साइबर ठगी करने वालों को उपलब्ध करवाया था। बैंक अकाउंट का नंबर किसे दिया गया था, यह अंकित के पकड़ में आने पर पता चल पाएगा। पुलिस ने जब होडल में छापा मारकर सचिन को गिरफ्तार किया तो उसके घर में अन्य ठिकानों से ठगी गई राशि का एक रूपया भी नहीं मिला। पुलिस सूत्रों ने बताया कि विगत नवंबर महीने में लगभग 3 लख रुपए अकाउंट में आने के बाद दोनों भाइयों ने उसे खर्च कर डाला। सचिन का क्रेडिट कार्ड पर पहले ही उधारी की हुई थी। लिहाजा ठगी की राशि अकाउंट में आते ही उधारी की रकम कट गई और बाकी रकम दोनों भाई उड़ा गए।

पगड़ी ने बचाई युवक की जान, चेहरे पर लगे कई टांके

जनमार्ग न्यूज

अबोहर। अबोहर में एक और चाइनीज मांझे का शिकार सामने आया है। बहावलवासी रोड पर बुधवार दोपहर को एक बाइक सवार युवक चाइनीज मांझे की चपेट में आ गया। हालांकि, सिर पर पगड़ी बंधी होने के कारण उसकी जान बच गई। घटना में घायल युवक की पहचान पक्की टिब्बी निवासी गुरदास के रूप में हुई है, जो एक एसी मैकेनिक की दुकान पर काम करता है। दोपहर के समय वह बहावलवासी में अपने काम पर जा रहा था, तभी अचानक चाइनीज मांझा उसके सिर से टकरा गया। इस हादसे में उसकी नाक और आंख के पास गंभीर चोटें आईं। लहूलुहान हालत में गिरे युवक को आसपास के लोगों ने तुरंत लूना अस्पताल में भर्ती

करवाया। अस्पताल के विशेषज्ञ डॉ. विनीत लूना ने बताया कि युवक के नाक के ऊपर और बाईं आंख के पास गहरे जख्म हुए हैं, जिन पर टांके लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि घावों को ठीक होने में करीब एक सप्ताह का समय लगेगा। डॉक्टरों ने बताया कि सिर पर पगड़ी होने के कारण बड़ा हादसा टल गया, हालांकि पगड़ी भी काफी गहराई तक कट गई थी। डॉ. लूना ने लोगों से चाइनीज मांझे का प्रयोग न करने की अपील की है।

गोल बाजार में अज्ञात व्यक्ति की मौत

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। गोल बाजार के केदार चौक में विगत 18 जनवरी को बेहोशी की हालत में मिले एक अज्ञात व्यक्ति की अस्पताल में इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। पुलिस ने बताया कि यह बुजुर्ग व्यक्ति केदार चौक में दुकानदारों से मांग कर अपना गुजारा करता था। उसे एक रिक्शा चालक जसवंतसिंह ने 18 जनवरी को केदार चौक में स्काई स्टार दुकान के पास बेहोश पड़े देखा तो अस्पताल में भर्ती करवाया। अगले दिन उसकी मृत्यु हो गई। तीन दिन तक पुलिस ने उसकी शिनाख्त के प्रयास किये। शिनाख्त नहीं होने पर कल गुरुवार को पोस्टमार्टम करवाने के बाद लावारिस के रूप में उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया। इस संबंध में जसवंतसिंह निवासी गणपतिनगर द्वारा दी गई रिपोर्ट पर मर्ग दर्ज की गई है।

संस्कृत विद्यालय में जूता वितरण

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। सेवा सहयोग सत्कार फाउंडेशन एवं फ्रेंड्स ऑफ नेचर के संयुक्त तत्वावधान में आज चक 7-ई (छोटी) बिरथलियांवाला के राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय में कक्षा 1 एवं 2 के बच्चों में जूते वितरित किए। फाउंडेशन के अध्यक्ष एडवोकेट आशीष अग्रवाल, फ्रेंड्स ऑफ नेचर के अध्यक्ष एडवोकेट पुष्पेन्द्र स्वामी, उपाध्यक्ष श्वेता कोछड, सचिव श्रीमती शिल्पी जिंदल, कोषाध्यक्ष डॉ राहुल अग्रवाल, नीटू जिंदल, संदीप रस्तोगी, गौरव शर्मा, अमित चौहान, खुशवंत छिम्पा, ध्रुवराज गोदारा इत्यादि उपस्थित रहे।

जनमार्ग पढ़ें
ताजा खबरें
ज्यादा खबरें

श्री सिद्ध हनुमान मंदिर का 38वां वार्षिक धर्मोत्सव 2 से

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। स्थानीय नई धान मंडी में स्थित श्री सिद्ध हनुमान मंदिर का 38 वां वार्षिक धर्मोत्सव 2 फरवरी से बड़ी श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा।धर्मोत्सव 10 फरवरी तक चलेगा। धर्मोत्सव की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए मंदिर प्रबंध समिति की एक बैठक का आयोजन किया गया। इसमें सभी कार्यक्रमों के बारे में विचार विमर्श किया गया। मंदिर प्रबंध समिति के संचालक रामगोपाल पांडूसरिया ने बताया कि 2 से 10 फरवरी तक आयोजित 38 में वार्षिक धर्मोत्सव के तहत संगीतमयी श्रीमद भागवत कथा, विष्णु सहस्त्रनाम, गोपाल सहस्त्रनाम, रुद्राभिषेक,महामृत्युंजय जाप, राम रक्षा स्तोत्र, दुर्गा चालीसा, दुर्गा सप्तशती पाठ,108 हनुमान चालीसा, 108 हनुमानाष्टक,बजरंग बाण, मूल भागवत पाठ, 108 दुर्गा चालीसा, राम नाम जाप, अखंड नह्वान परायण,भंडारा और संगीतमयी सुंदर पाठ आदि कार्यक्रम होंगे। कथा व्यास सतपाल पारासर 2 से 10 फरवरी तक प्रतिदिन दोपहर 3 से शाम 6 30 बजे तक संगीत में श्रीमद् भागवत कथा करेंगे। मुख्य यजमान चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष

इंजीनियर बंशीधर जिंदल होंगे। उन्होंने बताया कि धर्मोत्सव के दौरान प्रतिदिन शाम 7.15 से 8:30 बजे तक संगीतमयी सुंदरकांड के पाठ किए जाएंगे। धर्मोत्सव का समापन 10 फरवरी को प्रात: 11.15 बजे पूर्णाहुति यज्ञ से किया जाएगा। तत्पश्चात विशाल और अटूट भंडारा चलेगा। उन्होंने बताया कि आयोजन में पुरुषोत्तम अग्रवाल, सीए सुमित अग्रवाल, विजयसिंह शेखावत, टोनी अग्रवाल,संजय मूंदड़ा ओमप्रकाश महिपाल, भूपेंद्र जिंदल तथा पुजारी अरविंद पांडेय आदि गणमान्य लोगों द्वारा पूर्ण सहयोग प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने शहर की धर्म प्रेमी जनता से इन आयोजनों में शामिल होकर धर्म और पुण्य का लाभ उठाने का आग्रह किया है।

कांस्टेबल पर होमगार्ड की नौकरी दिलवाने का चांस देकर ठगी करने का मुकदमा दर्ज

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। हनुमानगढ़ जिले में पल्लू थाना में पुलिस के एक कांस्टेबल पर एक व्यक्ति को होमगार्ड की नौकरी दिलवाने का झांसा देकर ठगी करने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि गांव गंधेली निवासी रोहिताश मेघवाल द्वारा दी गई रिपोर्ट के आधार पर रामेश्वर लाल निवासी बींझासर के विरुद्ध धोखाधड़ी व जलसाजी का प्रकरण दर्ज किया गया है, जिसकी जांच थाना प्रभारी सब इंस्पेक्टर सुशील कुमार खुद कर रहे हैं। पल्लू थाना पुलिस ने बताया कि आरोपी रामेश्वरलाल नोहर में सिंचाई पानी चोरी रोकथाम पुलिस थाना में कांस्टेबल के पद पर नियुक्त है ।परिवादी रोहताश मेघवाल ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया है कि रामेश्वरलाल ने फरवरी 2023 में उसे होमगार्ड में भर्ती करवा देने का झांसा दिया। उससे 30 हजार ररुपए ले लिए लेकिन उसे होमगार्ड में भर्ती नहीं करवाया। उसे रुपए भी वापस नहीं किये। पुलिस ने बताया कि इस मामले के साथ-साथ यह जांच भी की जा रही है कि रामेश्वरलाल ने इस प्रकार की ठगी का शिकार और व्यक्तियों को तो नहीं बनाया है।

प्राइवेट बस-कार भिडंत में मां-बेटी सहित तीन की मौत

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। बीकानेर जिले में आज सुबह सवेरे एक भीषण सड़क दुर्घटना में कार में सवार मां-बेटी समेत तीन व्यक्तियों की मृत्यु हो गई ।पुलिस के अनुसार बीकानेर जयपुर नेशनल हाईवे पर श्रीडूंगरगढ़ थाना क्षेत्र में आज सुबह एक प्राइवेट बस तथा कार में आमने-सामने की टक्कर हो गई ।कार में सवार मां-बेटी और चालक बुरी तरह से जख्मी हो गए। लोगों ने कार में फंसे इन तीनों को बड़ी मुश्किल से बाहर निकाला और निकटवर्ती अस्पताल पहुंचाया, जहां चालक और अधेड़ महिला को मृत घोषित कर दिया गया। कुछ देर बाद महिला की बेटी ने भी दम तोड़ दिया। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान कार चालक मोहम्मद आरिफ (48) निवासी पड़िहारा, संतोषकंवर (45) पत्नी गिरधारीसिंह और संतोष कंवर की बेटी बालाकंवर (20)निवासी राजियासर थाना सालासर जिला चूरू के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि कार श्रीडूंगरगढ़ से बीकानेर की ओर जा रही थी जबकि बस बीकानेर से जयपुर जा रही

थी। दोनों में आमने-सामने से जबरदस्त टक्कर हुई, जिसमें कार के पर परखच्चे उड़ग्गए। मां-बेटी और चालक में कार बुरी तरह से फंस गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि मां-बेटी और चालक जब कार में फंसे हुए थे तो बार-बार पानी मांग रहे थे। उनको लोगों ने पानी पिलाया लेकिन जब तक उन्हें कार से बाहर निकाला जाता है, तब तक मोहम्मद आरिफ और संतोष कंवर की हालत बहुत ही खराब हो गई थी। अस्पताल जाते हुए यह दोनों दम तोड़ गए। बाला कंवर ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने बताया कि इन तीनों को बीकानेर के पीबीएम हॉस्पिटल में जाना था लेकिन तीनों के शव इसी हास्पीटल के मुर्दाघर में पहुंचे। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव परिवार वालों के सुपुर्द कर दिए ।बस के चालक पर लापरवाही के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है।

अज्ञात युवक की लाश मिली

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। जिले के रायसिंहनगर थाना क्षेत्र में एक अज्ञात युवक की लाश गली सड़ी हालत में नहर में मिली है ।पुलिस के अनुसार मृतक युवक के एक हाथ पर अंग्रेजी में आर शब्द गुदा हुआ था। लाश बुरी तरह से सड़ी हुई होने के कारण पुलिस ने पोस्टमार्टम की औपचारिकता के बाद उसे दफना दिया। लाश के बारे में सूचना देने वाले चक 12 टीके निवासी सुधीर ज्याणी द्वारा दी गई रिपोर्ट पर मर्ग दर्ज की गई है ।पुलिस ने बताया कि 25-30 वर्षीय एक अज्ञात युवक की लाश कल गुरुवार को चक 11-टीके में नहर में पानी के साथ बहकर आई थी। हाथ पर लिखे हुए आर शब्द के आधार पर पुलिस उसकी पहचान के प्रयास कर रही है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा के प्रचार अभियान ने गति पकड़ी

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। भाजपा विधानसभा चुनाव में सादुलशहर विधायक गुरबीर सिंह बराड़ के निर्देश पर सादुलशहर से बहुत बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और पदाधिकारी पश्चिम दिल्ली की राजौरी गार्डन विधानसभा में चुनाव प्रचार कर रहे हैं । दिल्ली में राजौरी गार्डन विधानसभा भाजपा कार्यकर्ताओं के द्वारा पुरे विधानसभा क्षेत्र में सक्रिय प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की विभिन्न टीमें प्रचार अभियान में जुटी हुई हैं। इसी कड़ी में राजौरी गार्डन विधानसभा क्षेत्र में आयोजित जनसभा को मनजिंदर सिंह सिरसा के साथ सम्बोधित करते हुए छपीन्द्र सिंह सन्धू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में ऐतिहासिक विकास कार्य हुए हैं। उन्होंने 'विकसित दिल्ली' के लिए मतदान वाले दिन भाजपा के चुनाव चिन्ह 'कमल के फूल' वाले निशान का बटन दबाकर राजौरी गार्डन विधानसभा प्रत्याशी मनजिंदर सिंह सिरसा को भारी मतों से विजयी बनाकर राज्य व देश के विकास के लिए मतदाताओं से अपना महत्वपूर्ण योगदान देने का आह्वान किया। इस अवसर भाजपा प्रत्याशी मनजिंदर सिंह सिरसा की धर्मपत्नी श्रीमती सतविंदर कौर सिरसा व उनकी बेटी मनलीन सिरसा के साथ चुनाव प्रचार किया गंगानगर के सादुलशहर भाजपा हिंदूमलकोट मंडल अध्यक्ष अमृतपाल सिंह मंटू, सादुलशहर देहात नरेंद्र सिंह सादुलशहर भाजपा किसान मोर्चा अध्यक्ष छपीन्द्र सिंह सन्धू व क्रय विक्रय समिति समिति के उपाध्यक्ष कुलशत सिंह कड़वासरा, गुरजंट सिंह रोहित मिंडा सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता के साथ-साथ बहुत बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित थे।

सुखाड़ियानगर मार्ग पर तेज रफ्तार बोलेरो गाड़ी हुई बेकाबू

● गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त, चालक बाल बाल बचा

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। जवाहरनगर थाना क्षेत्र में सुखाड़ियानगर मार्ग पर आज बड़े तड़के एक तेज रफ्तार बोलेरो गाड़ी बेकाबू हो गई। सुखाडिया सर्किल के समीप कार बाजार के सामने सुबह लगभग 3 बजे हुई इस दुर्घटना में नियंत्रित हुई बोलेरो गाड़ी ने रोड डिवाइडर पर लगे बिजली के खंबे और ट्री गार्ड को टक्कर मारते हुए गिरा दिया। गाड़ी रोड के दूसरी तरफ जाकर बड़ी तेजी से नीम के एक पेड़ से टकराई। पेड़ भी उखड़ गया। गाड़ी का आगे वाला हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। गनीमत रही कि इसके चालक के कोई ज्यादा गंभीर चोट नहीं आई ।हासिल जानकारी के अनुसार इतनी भीषण दुर्घटना होने के बाद तुरंत ही चालक जैसे तैसे गाड़ी को वहां से चलाकर ले गया। यह सौभाग्य वाली बात ही रही की

हादसा तड़के लगभग 3 बजे हुआ,जब इस मार्ग पर आवाजाही नहीं थी। इस कारण कोई और व्यक्ति या गाड़ी बोलेरो की चपेट में नहीं आई। अगर यही हादसा दिन में हुआ होता तो माल के साथ जान के नुकसान की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता था। बोलेरो की टक्कर से टूटा बिजली का खंबा आज दोपहर बाद तक वही पड़ा था। इतनी बड़ी दुर्घटना होने पर भी प्रशासन और पुलिस के किसी भी अधिकारी ने आकर देखने की जहमत गवारा नहीं की कि आखिर यह हादसा कैसे हुआ और बेकाबू हुई गाड़ी किसकी थी तथा उसे कौन चला रहा था। याद रहे कि पिछले वर्ष फरवरी महीने में सदर थाना अंतर्गत चहल चौक में भी इसी प्रकार आधी रात के बाद एक कर बेकाबू हो गई थी जो चौक की रेलिंग से टकराने के बाद सामने एक बैंक की एटीएम केबिन के बाहर दुकानों के पिल्लर से टकरा गई थी। इस हादसे में चौक का काफी नुकसान हुआ जबकि कार भी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई थी।

फाजिल्का सहकारी शुगर मिल में हंगामा

जनमार्ग न्यूज

फाजिल्का। फाजिल्का के खुईखेड़ा स्थित सहकारी शुगर मिल में किसानों और अधिकारियों के बीच तनातनी की स्थिति बन गई। पंजाब के गन्ना किसानों का आरोप है कि मिल प्रबंधन राजस्थान से आने वाली गन्ने की ट्रालियों को प्राथमिकता दे रहा है, जबकि स्थानीय किसानों को दिनों तक इंतजार करना पड़ रहा है। जत्थेदार गुरनाम सिंह के अनुसार, करीब 20 दिन पहले किसानों ने मिल प्रबंधन से मांग की थी कि कुल आपूर्ति में से 75 प्रतिशत गन्ना पंजाब के किसानों से और 25 प्रतिशत राजस्थान से लिया जाए। मिल प्रबंधन ने इस मांग को स्वीकार किया था, लेकिन व्यवहार में इसका पालन नहीं किया जा रहा है। इससे नाराज होकर किसानों ने आज मिल के कंडे पर पहुंचकर काम रोक दिया। दूसरी ओर, मिल अधिकारियों का कहना है कि पंजाब में गन्ने की पर्याप्त पैदावार नहीं होने के कारण उन्हें राजस्थान से गन्ना खरीदना पड़ रहा है, ताकि मिल का संचालन सुचारू रूप से हो सके। हालांकि, जब किसानों के आरोपों के बारे में पूछा गया, तो अधिकारी कोई ठोस जवाब नहीं दे पाए। किसानों ने चेतावनी दी है कि अगर यह स्थिति जारी रही, तो वे भविष्य में गन्ने की खेती और कम कर देंगे

बुजुर्ग महिला को जलाने का प्रयास

हनुमानगढ़ (जनमार्ग न्यूज)। टिब्बी पुलिस थाने में बुजुर्ग महिला ने बेटे-बहू के खिलाफ घर में घुसकर जेवरात व नकदी चुराने और जमीन अपने नाम करवाने के लिए जलाकर मारने का प्रयास करने का मामला दर्ज कराया है। एक महिला ने अपने पुत्र और बहू पर घर में घुसकर जेवरात व नकदी चुराने और जमीन अपने नाम करवाने के लिए जलाकर मारने का प्रयास करने का आरोप लगाया है।

पांच साल में करीब 38 मजदूरों की दर्दनाक मौत !

मरते मजदूर, मुनाफा कमाते ठेकेदार, मूक दर्शक प्रशासन

मजबूरी होती है कि आज रात में घर में क्या खाएंगे. इस मजबूरी का फायदा ठेकेदार उठाते हैं. मजदूरों की आधे अधूरे संसाधन के साथ निर्माण कार्य में खड़ा कर देते हैं. नतीजा मजदूर मरते हैं, मजदूर घायल होते हैं, मजदूर अपाहिज होते हैं. चार दिन हंगामा होता है, जिला प्रशासन जांच बैठाता है. फिर सब पुराने ढर्रे पर लौट जाता है।

जबलपुर।

जिले में केमतानी ग्रुप की फाईव स्टार होटल से लेकर वेलकम होटल ब्लास्ट तक, सिहोरा खदान में हुये हादसे से लेकर गत दिवस पापूलर ब्रेड फैक्ट्री तक हादसों की फेहरिस्त लम्बी है. इस लिस्ट में जो एक बात कामन है, वो यह की मजदूरों की दर्दनाक मौत और किसी ठेकेदार या मालिक पर कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई. अनुमान के मुताबिक बीते पांच सालों में जबलपुर जिले में निर्माण कार्यों, खदानों, विद्युत लाइन मेंटीनेंस, फैक्ट्रीयों में कार्य आदि के समय करीब 38 मजदूरों की मौत हुई है, वहीं 90 के करीब घायल हुये हैं. खौफनाक आंकड़ों के बाद भी आज तक प्रशासन इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठा सका है. नतीजा सामने है मजदूरों की दर्दनाक मौतों का सलिसला जारी है।

खजरी मामले में अब तक नहीं मिली लाश

फैक्ट्री में लापरवाही के मामले में खजरी रजा मेटल्स में हुआ ब्लास्ट अपनी तरह का

पहला मामला था. जिसमें दो मजदूरों की मौत हुई थी, एक मजदूर की लाश के चीथड़े मिले लेकिन दूसरे मजदूर का चीथड़ा भी अंतिम संस्कार के लिये घर वालों को नहीं मिला. यहां भी मजदूरों से बिना सुरक्षा घातक बमों के कबाड़ का काम कराया जा रहा था. इस मामले में जांच और कार्यवाही दोनों आज तक अधूरी है. घटना के बाद कबाड़ खानों की जांच शुरु हुई, लेकिन वो भी खानापूर्ति साबित हुई और एक हफ्ते में ही सब पुराने ढर्रे पर लौट गया.

पापूलर फैक्ट्री मामले में ठेकेदार पर अरोप

गत दिवस गोराबाजार थाना क्षेत्र के तिलहरी में एक निर्माण कार्य के दौरान दर्दनाक हादसा हुआ, जिसमें एक मजदूर की दो टुकड़े में कटकर मौत हो गई थी। वहां भी ठेकेदार की मनमानी सामने आई है. प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि हादसे के वक्त फैक्ट्री संचालक ऋषभ केशवानी इंदौर में थे, और उन्होंने यह काम ठेकेदार आयूब खान को सौंपा था। गौरतलब है की गुरुवार सुबह पापुलर ब्रेड की फैक्ट्री के पुराने भवन को तोड़ने का काम चल रहा था। इसी दौरान मंडला निवासी मजदूर भूरेलाल विश्वकर्मा लेंटर तोड़ते हुए अचानक नीचे गिर पड़े और किसी बीम या अन्य संरचनात्मक तत्व में फंसकर उनका शरीर दो हिस्सों में बंट गया। हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। आरोप लग रहे हैं कि ठेकेदार ने काम के दौरान सुरक्षा मानकों की अनदेखी की थी, जिसके कारण यह भयानक हादसा हुआ। घटना के बाद पुलिस ने फैक्ट्री संचालक ऋषभ केशवानी को बयान के लिए तलब किया है और ठेकेदार आयूब खान के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की योजना बनाई जा रही है।

हाई कोर्ट ने कर्मचारी चयन आयोग से मांगा जवाब

सही उत्तर होने के बावजूद उसके नंबर क्यों नहीं दिए

जबलपुर। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति द्वारिकाधीश बंसल की एकलपीठ ने कर्मचारी चयन आयोग से पूछा है कि सही उत्तर होने के बावजूद उसके नंबर क्यों नहीं दिए गए। बालाघाट निवासी हर्षल की ओर से अधिवक्ता मनोज कुशवाहा व कौशलेंद्र सिंह ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि याचिकाकर्ता ने कर्मचारी चयन बोर्ड के द्वारा आयोजित आईटीआई ट्रेनिंग आफिसर के पद के हेतु परीक्षा दी थी। रिजल्ट आने पर उसे पता चला कि उसे कट आफ मार्क्स से एक नंबर कम अंक मिले हैं। जब उसने वेबसाइट पर अपलोड उत्तर को देखा तो उसे पता चला कि प्रश्न क्रमांक 24 का सही उत्तर दिया है। याचिकाकर्ता एक अंक प्राप्त करने का अधिकारी है। सुनवाई के बाद हाई कोर्ट ने आयोग व अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा।

मुख्य न्यायाधीश ने जिला न्यायालय में पौधारोपण किया

जबलपुर। हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत ने शनिवार को जिला न्यायालय भवन, कटनी में पौधारोपण किया। मुख्य न्यायमूर्ति कैत की पत्नी सरोज बाला कैत ने भी पौधा रोपा। मुख्य न्यायमूर्ति कैत ने कहा कि वृक्षारोपण का सिलसिला जारी रहना चाहिए। यह पर्यावरण को शुद्ध रखने, जलवायु संतुलन, मिट्टी और जल संरक्षण, वन्यजीव संरक्षण और मानव स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्तवपूर्ण है। वृक्षारोपण हमारी पृथ्वी और भविष्य की पीढ़ियों के लिये आवश्यक है। इस दौरान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश कटनी जितेन्द्र कुमार शर्मा, विशेष न्यायाधीश एट्रोसिटीज कटनी, प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय कटनी तथा अन्य न्यायिक अधिकारीगण व अधिवक्तागण भी उपस्थित थे।

भेड़ाघाट का बहुचर्चित प्रकरण

पिता और दो पुत्रों सहित 5 को उम्रकैद

जबलपुर। विशेष न्यायाधीश गिरीश दीक्षित की अदालत ने हत्या के आरोपित जबलपुर निवासी कल्लू पटेल व उसके पुत्र शुभम उर्फ शिव और सत्यम पटेल के अलावा नीलेश पटेल, राहुल पटेल का दोष सिद्ध पाया। इसी के साथ सभी को आजीवन कारावास की सजा सुना दी। साथ ही दो-दो हजार रुपये का जुर्माना लगाया। अभियोजन की ओर से विशेष लोक अभियोजक कृष्णा प्रजापति ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि भेड़ाघाट थानातंर्गत ग्राम पथरौरी निवासी अनुसूचित जाति वर्ग के परिवार के सदस्यों पर 11 जून, 2022 की शाम को जानलेवा हमला हुआ था। उक्त हमले में करन की मौत हो गई थी। पुलिस ने इस मामले में आरोपितों के विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज करके अदालत के समक्ष चालान पेश किया। सुनवाई दौरान आरोपित भगवती बाई के विरुद्ध आरोप साबित न होने पर अदालत ने उसे दोषमुक्त करते हुए शेष आरोपितों को सजा सुना दी।

पत्थर पटककर हत्या पर आजीवन कारावास

जबलपुर। प्रधान सत्र न्यायाधीश आलोक अवस्थी की अदालत ने चाकू से हमला करने के बाद पत्थर पटक कर हत्या करने के आरोपित जबलपुर निवासी अमरदीप चौधरी का दोष सिद्ध पाया। इसी के साथ आजीवन कारावास की सजा सुना दी। साथ ही 500 रुपये का जुर्माना भी लगाया। अभियोजन की ओर से विशेष लोक अभियोजक कृष्णगोपाल तिवारी ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि रांझी थानांतर्गत 25 जुलाई, 2022 को सुबह नौ बजे मरघटाई के पास आरोपित अमरदीप चौधरी और मृतक संतोष वंशकार शराब पी रहे थे। इसी दौरान हुए विवाद पर संतोष वंशकार को अमरदीप चौधरी, उसके चाचा अर्जुन चौधरी आदि मारने लगे। आरोपित अमरदीप ने संतोष के सिर और गर्दन पर चाकू से वार कर दिया। इसके बाद संतोष के सिर पर पत्थर पटक दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर अदालत के समक्ष चालान पेश किया। सुनवाई के दौरान पेश किए गए गवाह व साक्ष्यों को मद्देनजर अदालत ने दोष साबित पाते हुए सजा सुना दी।

नशीला सीरप बेचने के आरोपित को जमानत नहीं

जबलपुर। एनडीपीएस के विशेष न्यायाधीश शशिभूषण शर्मा की अदालत ने नशीला सीरप बेचने के आरोपित घमापुर निवासी विनोद कुमार कोरी की जमानत अर्जी निरस्त कर दी। अभियोजन की ओर से अपर लोक अभियोजक अरविंद जैन ने जमानत अर्जी का विरोध किया। उन्होंने दलील दी कि आरोपित के विरुद्ध गंभीर प्रकृति का आरोप है। इस तरह के मामले में जमानत का लाभ देने से समाज में गलत संदेश जाएगा। लार्डगंज पुलिस ने 23 नवंबर, 2024 को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर दबिश देकर आरोपित के कब्जे से नशीले सीरप की खेप बरामद की थी। इसी के साथ अपराध कायम कर लिया गया। आरोपित तभी से न्यायिक अभिरक्षा में जेल में बंद है।

बाल अधिकार एवं विधिक सेवा गतिविधि अंतर्गत हुई चित्रकला प्रतियोगिता

मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण का आयोजन

जबलपुर। मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में बच्चों के लिए मैत्रीपूर्ण विधिक सेवा योजना-2024 के अंतर्गत बाल अधिकार एवं विधिक सेवा संबंधी गतिविधियों का प्रचार-प्रसार किए जाने के उद्देश्य से चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्राधिकरण कार्यालय में आयोजित इस प्रतियोगिता में प्राधिकरण कार्यालय, हाई कोर्ट विधिक सेवा समिति, राज्य न्यायिक अकादमी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारियों के नर्सरी से कक्षा 12 वीं तक अध्ययनरत बालक-बालिकाओं द्वारा भाग लिया गया। चित्रकला प्रतियोगिता का विषय पर्यावरण संरक्षण, बाल अधिकार एवं विधिक सेवा थे। उक्त विषयों पर बालक-बालिकाओं द्वारा चित्र बनाकर अपनी कला का प्रदर्शन किया गया। चित्रकला प्रतियोगिता में तीन श्रेणियों प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक स्तर में से प्रत्येक स्तर पर बालक-बालिकाओं द्वारा बनाई गई प्रथम तीन सर्वश्रेष्ठ ड्राईंग को गणतंत्र दिवस के अवसर पर मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत, मुख्य संरक्षक मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण व कार्यपालक अध्यक्ष प्रशासनिक न्यायाधीश संजीव सचदेवा द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बालक-बालिकाओं को ड्राइंग शीट, कलर राज्य प्राधिकरण द्वारा प्रदान किए गए। समापन अवसर पर प्रदीप मित्तल, सदस्य सचिव, मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर द्वारा बच्चों का उत्साहवर्द्धन किया गया। अनिरूद्ध जैन, उप सचिव, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर तथा जिला विधिक सहायता अधिकारी, प्रदीप सिंह ठाकुर, दिग्विजय सिंह व सर्वेश चतुर्वेदी उपस्थित रहें।

कार ऑटो की टक्कर से पिता-बेटी की मौत: मां-बेटा घायल

ससुराल से परिवार लेकर लौट रहा था ऑटो चालक, रहवासियों ने किया चक्काजाम

जनमार्ग न्यूज

उज्जैन। उज्जैन में शुक्रवार रात सड़क हादसे में पिता और बेटी की मौत हो गई। घटना एमआर-5 रोड में कार और ऑटो की टक्कर से हुई। देर रात हुए सड़क हादसे की खबर लगने के बाद आसपास के रहवासियों ने चक्काजाम कर दिया। उनका आरोप था कि इस जगह पर आए दिन लोग दुर्घटना का शिकार होते हैं, लेकिन प्रशासन ने आज तक स्पीड ब्रेकर नहीं बनवाए। शुक्रवार रात ऑटो चालक शेख जीशान (38) पत्नी शहाना (30) बेटे आरिल और 6 माह की बेटी अनाविया को लेकर तोपखाने ससुराल गए थे। देर रात ढांचा भवन में घर लौटे समय आलोक इंटरनेशनल स्कूल के सामने से टर्न लेते समय सामने से आ रही कार ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी की हादसे के दौरान कार अनियंत्रित होकर नाले में जा गिरी और ऑटो के परखच्चे उड़ गए। टक्कर से जीशान और उसकी पत्नी दोनों स?क पर जा गिरे। जबकि बच्चे ऑटो में फंस गए। हादसे में जीशान और उसकी 6 माह की बेटी की मौत हो गई। मां और बेटे को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जन्म दिवस को पराक्रम दिवस के रूप में मनाया

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। नेहरू युवा केंद्र श्रीगंगानगर के तत्वाधान में नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जन्म दिवस को पराक्रम दिवस के रूप में मनाया, जिला युवा अधिकारी भूपेंद्र शेखावत ने बताया कि ने बताया की आज जिले के विभिन्न युवा मंडलों के द्वारा पराक्रम दिवस के उपलक्ष में कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है,इसी क्रम में महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय न 5 पुलिस लाइन, श्रीगंगानगर में कार्यक्रम प्रभारी भवानी शंकर के द्वारा निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रथम स्थान कृतिका कौशल, द्वितीय स्थान तनीषा और तृतीय स्थान कृष्ण ने प्राप्त किया, कार्यक्रम अतिथि इंदु भूषण चावला ने बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया, इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य रिंपा तलवार ने सभी युवा कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया, युवा कार्यकर्ता सुनील, सुषमा, तमन्ना,अंकुश, अशोक, संदीप, सतीश आदि उपस्थित रहे ।

एसएफआई ने जिला कलैक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। एसएफआई (स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया) तहसील कमेटी हनुमानगढ़ ने शुक्रवार को जिला कलैक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन में प्रदेश उपाध्यक्ष महेन्द्र शर्मा के नेतृत्व में एसएफआई ने भादरा तहसील के गांव जोगीवाला स्थित राजकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय (उमावि) को पुनः खोलने की मांग की।

महेन्द्र शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि जहां एक ओर सरकार राष्ट्रीय बालिका दिवस पर जश्न मना रही है, वहीं दूसरी ओर बालिका शिक्षा में बाधा उत्पन्न कर राजकीय कन्या उमावि को बंद करने का कार्य कर रही है, जो बालिकाओं के हितों के खिलाफ है। उनका कहना था कि बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के बजाय सरकार इस कदम से बालिकाओं के शैक्षिक अधिकारों का उल्लंघन कर रही है, जो बेहद चिंता का विषय है।

ज्ञापन में बताया गया कि भादरा के गांव जोगीवाला में राजकीय कन्या उमावि में 123 बच्चियां पढ़ाई कर रही थीं, और यह जानकारी सरकारी रिकार्ड्स में दर्ज है। महेन्द्र शर्मा ने कहा कि इस विद्यालय का बंद होना उन बालिकाओं के लिए एक बड़ी समस्या बन गया है, क्योंकि सुरक्षित और शैक्षणिक वातावरण में उनकी शिक्षा के लिए बालिका विद्यालय होना

आवश्यक है। जोगीवाला जैसे छोटे गांव में बालिकाओं के लिए एक मात्र शैक्षणिक संस्थान का बंद होना शिक्षा के अधिकार पर कुठाराघात है।

एसएफआई ने इस मुद्दे पर जोर देते हुए कहा कि यह विद्यालय गांव की बालिकाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण था, और इसके बंद होने से उन बच्चियों का भविष्य अंधकारमय हो सकता है। इसके कारण कई बालिकाएं अपनी पढ़ाई जारी नहीं रख पाएंगी, और यह सरकार की नीतियों की विफलता को दर्शाता है।

एसएफआई ने जिला कलक्टर से मांग की है कि वह इस मामले में तुरंत हस्तक्षेप करें और मुख्यमंत्री के पास ज्ञापन भेजकर जोगीवाला के राजकीय कन्या उमावि को पुनः खोलने की दिशा में आवश्यक कदम उठाएं। यदि सरकार ने जल्द इस मामले में कोई समाधान नहीं निकाला, तो एसएफआई आंदोलन को तेज करने का ऐलान कर सकती है।

प्रदर्शन में एसएफआई के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष महेंद्र कुमार शर्मा एसएफआई के तहसील अध्यक्ष मोहित इंशा तहसील महासचिव कुलदीप कालवा एडवोकेट विनोद वर्मा देवीलाल आनंद शीला पवन भाटी योगेश विश्नोई पूजा प्रमिला सहित कई पदाधिकारी और स्थानीय छात्र-छात्राएं भी शामिल हुए।

पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर का आयोजन 121 यूनिट रक्त संग्रहण

हनुमानगढ़ (जनमार्ग न्यूज)। पंचायत समिति हनुमानगढ़ के पूर्व प्रधान स्वर्गीय दलवीर पुनिया की तृतीय पुण्यतिथि पर टाउन स्थित बिश्नोई धर्मशाला में विशाल रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। उनके पुत्रो सरपंच प्रतिनिधि एवं युवा कांग्रेस नेता नवनीत पुनिया, मनोज पुनिया सहित परिवारजनों व सगे संबंधियों ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। शिविर की शुरुवात विशेष योग्यजन प्रवीण गाँधी ने रिबन काटकर एवं रक्तदान कर की और कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगो से समय समय पर आवश्यक रूप से रक्तदान करने का आह्वान किया जिससे कि रक्त की कमी से किसी व्यक्ति को जीवनदान दिया जा सके। सरपंच प्रतिनिधि नवनीत पुनिया ने बताया कि पिता दलवीर पुनिया कि स्मृति में यह तीसरा रक्तदान शिविर आयोजित करवाया गया है जिसमे पुरुषो के साथ साथ महिलाओ व युवाओं ने भी उत्साह से भाग लेते हुए रक्तदान किया है। उन्होंने बताया कि रक्तदान करने वाले व्यक्तियों को भविष्य में जरूरत पड़ने पर राजकीय जिला चिकित्सालय में निशुल्क रक्त उपलब्ध करवाया जायेगा। मनोज पुनिया ने मौजूद लोगो से समय समय पर रक्तदान करने का आह्वान किया जिससे की जरूरत मंद लोगो को समय पर रक्त उपलब्ध करवाते हुए उनका जीवन बचाया जा सकें।

यूथ वीरांगनाओं ने झुग्गी झोपड़ी की बालिकाओं के साथ मनाया विशेष दिन

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। टाउन में आज शुक्रवार को बालिका दिवस का उत्सव बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। इस अवसर पर यूथ वीरांगनाओं ने झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाली बालिकाओं के साथ समय बिताया और उन्हें प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के हाशिये पर रहने वाली बालिकाओं को प्रेरणा और सहयोग प्रदान करना था। कार्यक्रम के दौरान यूथ वीरांगनाओं ने झुग्गी-झोपडी में जाकर बालिकाओं को खाद्य सामग्री और जरूरत का सामान भेंट किया। इस मौके पर ऐशना ने बताया कि बालिका दिवस का यह आयोजन केवल उत्सव नहीं है, बल्कि बालिकाओं के जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में उठाया गया एक कदम है। उन्होंने कहा कि झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाली बालिकाओं के साथ यह समय बिताना उन्हें सशक्त और प्रेरित करने का एक प्रयास है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सुमन ग्रोवर ने यूथ वीरांगनाओं के प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि समाज में बालिकाओं और महिलाओं के उत्थान के लिए किए जा रहे ये कार्य वास्तव में प्रशंसनीय हैं। उनके अनुसार, ऐसे कार्यक्रम

समाज के कमजोर वर्गों तक पहुंचने का एक प्रभावी तरीका हैं और इससे उनमें आत्मविश्वास बढ़ता है। यूथ वीरागना भावना ने बताया यूथ वीरांगनाओं द्वारा बालिकाओं और महिलाओं के लिए कई निशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इनमें सिलाई, ब्यूटी पार्लर और अन्य कौशल विकास के कोर्स शामिल हैं। भावना ने बताया कि इन कार्यक्रमों के माध्यम से बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनने का मौका दिया जाता है। इसके अलावा, बालिकाओं के लिए निशुल्क ट्यूशन और पाठ्य सामग्री भी उपलब्ध कराई जाती है। कंचन ने बताया कि यूथ वीरांगनाओं द्वारा राष्ट्रीय पर्वो और अन्य महत्वपूर्ण अवसरों पर भी झुग्गी-झोपड़ी में जाकर बच्चों के साथ समय बिताया जाता है। इस दौरान न केवल बच्चों को शिक्षित किया जाता है, बल्कि उनके लिए मनोरंजन और खेलकूद जैसी गतिविधियां भी आयोजित की जाती हैं। यह पहल बच्चों के मानसिक और सामाजिक विकास में सहायक होती है। कार्यक्रम के अंत में मीनाक्षी, कंचन, सरोज, संगीता,ऐशना, ज्योति यूथ वीरांगनाओं ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य समाज के कमजोर वर्गों की सहायता करना और उन्हें मुख्यधारा में लाना है। इन प्रयासों के माध्यम से न केवल बालिकाओं को सशक्त बनाया जा रहा है, बल्कि उनके परिवारों को भी एक बेहतर भविष्य का भरोसा दिलाया जा रहा है।

मिड डे मील वर्कर यूनियन सीटू की बैठक संपन्न, 6 को प्रदर्शन का ऐलान

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। राजस्थान मिड डे मील वर्कर यूनियन सीटू की एक महत्वपूर्ण बैठक आज भगत सिंह यादगार केंद्र, लाल चौक पर आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता यूनियन की जिला अध्यक्ष कामरेड चंद्र कला वर्मा ने की। इस अवसर पर यूनियन के राज्य महासचिव कामरेड बाबूलाल लुगरिया, राज्य उपाध्यक्ष कामरेड सुमित्रा चोपड़ा, मजदूर नेता कामरेड रामेश्वर वर्मा, जिला अध्यक्ष कामरेड आत्मा सिंह, जिला महासचिव कामरेड शेर सिंह शाक्य और जिला कोषाध्यक्ष कामरेड बहादुर सिंह चौहान मुख्य रूप से उपस्थित रहे। बैठक के दौरान मिड डे मील वर्करों की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने वर्करों के न्यूनतम वेतन, नियमितीकरण, सामाजिक सुरक्षा और कामकाजी परिस्थितियों को बेहतर बनाने की मांग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मिड डे मील वर्कर देश की शिक्षा और पोषण योजनाओं की रीढ़ हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें बेहद कम वेतन और सुविधाएं दी जाती हैं। बैठक में संगठन को मजबूत करने और वर्करों के अधिकारों के लिए तीखा संघर्ष करने की रणनीति बनाई गई। इस क्रम में संयोजक मंडल का गठन किया गया। पुष्पा देवी (चक ज्वाला सिंह वाला) को संयोजक और सरिता सोनी को सह संयोजक नियुक्त किया गया। बैठक में सगीता देवी, पुष्पा देवी, रितू देवी, सुमन, सीता देवी, प्रकाश कौर, जसवीर कौर, मरियम बेगम, जसपाल कौर, विधा देवी, रिता देवी, रविता देवी और नेवल विधा देवी सहित कई सदस्य उपस्थित रहीं। सभी ने मिड डे मील वर्करों के अधिकारों के लिए एकजुट होकर संघर्ष करने का संकल्प लिया।बैठक के अंत में यह निर्णय लिया गया कि 6 फरवरी 2025 को मिड डे मील वर्करों की समस्याओं के समाधान हेतु जिलाधीश कार्यालय पर प्रदर्शन किया जाएगा और एक ज्ञापन सौंपा जाएगा।

पानीपतः तीसरी मंजिल से गिरकर बच्ची की मौत

पानीपत। पानीपत की गांव डाढोला रोड पर बने लेकर क्वार्टर की तीसरी मंजिल से करीब चार साल की पुदिमा पुत्री पुनीत मूल निवासी गांव काठीधारा जिला सीतापुर, हाल निवासी डाढोला रोड, पानीपत की नीचे गिर कर दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के समय बच्ची छह पर खेल रही थी और उसकी मां बर्तन धो रही थी। वहीं जैसे ही उसे बच्ची के गिरने का पता चला तो मां दौड़ती हुई नीचे गई। इसके बाद बच्ची को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने चेकअप के बाद पुदिमा को मृत घोषित कर दिया। इधर, पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है।

लिव इन पार्टनर ने महिला की हत्या की

पानीपत। पानीपत की डाढौला रोड पर बने लेबर क्वार्टर में लिव-इन पार्टनर में रही सरोज पुत्री मोतीलाल मूल निवासी गोपालगंज, बिहार की उसके पार्टनर संदीप मूल निवासी ने मारपीट व गला दबा कर हत्या कर दी। वारदात का खुलासा महिला की 5 साल की बेटी ने किया। वह रोते हुए पड़ोस में रहने वाले नाना मोती लाल के पास गई और कहा कि अंकल ने मम्मी को मारा है और वह उठ नहीं रही है। यह सुनते ही पिता तुरंत दौड़ कर बेटी के कमरे में गए। वहां उन्होंने चारपाई पर महिला को मृत पड़ा देखा। हत्या की खबर सुनते ही मौके पर भीड़ जमा हो गई। इधर, पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है।

थाईलैंड व कंबोडिया से चलाए जा रहे साइबर फ्रॉड के कारोबार का भंडाफोड़

अंबाला पुलिस ने तीन ठग 1 लाख की नकदी व असलहे सहित काबू

- विदेश में बैठकर आरोपियों ने अलग-अलग शहरों में अपना नेटवर्क बना लिया
- थाईलैंड में बैठा मास्टर माइंड इंटरपोल की ली जाएगी मदद

अंबाला। साइबर फ्रॉड के मामले में काबू किए गए आरोपी। फोटो: हरिभूमि

अंबाला

पुलिस ने थाईलैंड व कंबोडिया से चलाए जा रहे साइबर फ्रॉड के कारोबार का भंडाफोड़ किया है। इस सिलसिले में पुलिस ने तीन आरोपियों को काबू किया है। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने तीन अवैध पिस्टल, एक लाख से ज्यादा की नकदी व चार मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। आरोपियों से पुलिस रिमांड के जरिए गहन पूछताछ कर रही है। एसपी सुरेंद्र सिंह भौरिया ने बताया कि एएसपी सृष्टि गुप्ता के नेतृत्व में पुलिस द्वारा अपराधों की रोकथाम व साइबर धोखाधड़ी के आपराधिक मामलों में वांछित आरोपियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान पुलिस ने थाना साइबर क्राइम में दर्ज टेलीग्राम पर लिंक भेजकर कर एक बड़ी रकम की धोखाधड़ी करने के मामले मे तीन आरोपियों को काबू किया है।

आरोपियों की पहचान यूपी के नोकाटोला के आरोपी उदय सिंह, गोरखपुर के हिमांशु कुमार व सर्वेश कुमार को गिरफ्तार किया था। इसके बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को दस दिन के रिमांड पर लिया गया। एसपी के मुताबिक आरोपी हिमांशु कुमार इस नेटवर्क को कंबोडिया से चला रहा था।

आरोपी को काबू करने के लिए पुलिस द्वारा काफी समय से प्रयास किए जा रहे थे। हाल ही में आरोपी गोरखपुर किसी कार्य से आया हुआ था। सूचना के आधार पर पुलिस ने गोरखपुर से आरोपी को काबू कर लिया। इस मामले में अब तक कुल आठ आरोपियों को पकड़ा जा चुका है। आरोपियों से पुलिस ने लगभग 5 लाख रूपये भी बरामद किए हैं। जल्द ही इंटरपोल की सहायता मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी। दरअसल अंबाला शहर के अंबा विहार के रहने वाले जसबीर सिंह ने 18 सितंबर 2024 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 6 सितंबर 2024 से 11 सितंबर 2024 के दौरान किसी ने टेलीग्राम पर लिंक भेजकर उससे अलग-अलग खातों के माध्यम से एक बड़ी रकम हड़पने की धोखाधड़ी की है। इस शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू की थी। अब पुलिस इस मामले में आरोपियों से सिलसिलेवार पूछताछ कर रही है।

साइबर फ्रॉड में आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना साइबर क्राइम में दर्ज फ्रॉड के मामले मे पुलिस ने अमृतसर के गोलबाग वासी आरोपी विकास को गिरफ्तार किया है। पूछताछ के बाद पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया है। इस मामले में अब तक तीन आरोपियो को गिरफ्तार किया जा चुका है। पीड़ित महिला ने 3 जनवरी 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 26/27 अक्तूबर 2024 के दौरान आरोपी ने सोशल मीडिया पर वर्क फ्रॉम होम कार्य करने के नाम पर तथा बाद में टैलीग्राम के माध्यम से लिंक भेजकर टास्क पूरा करने के मामले में उससे एक बड़ी रकम की साइबर ठगी की थी। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था। जांच के दौरान पुलिस तीन आरोपियों को काबू कर चुकी है।

विदेश भेजने व सलमान से मिलवाकर स्टार बनवाने का दिया झांसा

बिश्नोई महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र बुड़िया पर रेप का केस दर्ज

हिसार

चंडीगढ़ में एक कोर्स करवाएगा और सारे खर्च का इंतजाम समाज की तरफ से करवाएगा

अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र बुड़िया पर युवती को विदेश भेजने के नाम पर उसका यौन शोषण करने व उसे धमकी देने की शिकायत आदमपुर थाना में दर्ज हुई। युवती ने आदमपुर पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि देवेन्द्र बुड़िया ने खुद को सलमान खान का जानकार बताते हुए स्टार बनाने की बात भी कही। विरोध किए जाने पर देवेन्द्र बुड़िया ने उसे जान से मारने की धमकी दी। आदमपुर थाना में दर्ज रेप की एफआईआर के बाद अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा की राजनीति में फिर गर्माहट आ गई है। युवती का कहना है कि देवेन्द्र बुड़िया ने उसे विदेश भेजने व स्टार बनाने सहित अनेक झांसे दिए लेकिन जब वह परेशान हो गई तो उसने परिवार को इसके बारे में बताया। युवती की शिकायत के बाद पुलिस ने राजस्थान के जोधपुर के रहने वाले देवेंद्र बुड़िया पर विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। आदमपुर पुलिस को दी शिकायत में युवती ने कहा कि वर्ष 2022 में घरवालों से कहा कि मुझे विदेश जाना है। वर्ष 2023 में मेरे पिता मुझे देवेंद्र बुड़िया के पास लेकर गए उनसे विदेश भेजने के लिए मदद मांगी। बुड़िया ने हमें भरोसा दिलाते हुए कहा कि वह बिश्नोई समाज की पूरी मदद करते हैं। युवती को विदेश भेजने में भी मदद करेंगे। इसके बाद बुड़िया ने कहा कि वह मुझे ऑस्ट्रेलिया भिजवा देगा, लेकिन उसके लिए चंडीगढ़ में एक कोर्स करवाएगा और सारे खर्च का इंतजाम समाज की तरफ से करवाएगा।

भिवानीः सड़क हादसे में बच्चे की मौत शव को लेकर परिजनों में खींचातानी

भिवानी

गांव हरिपुर में ट्रैक्टर की टक्कर लगने से 12 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। बच्चा अपने पति से विवाद को लेकर अपनी मां के पास रह रहा था। जिसके बाद बच्चे की डेड बॉडी को लेकर आज विवाद हो गया। बच्चे की मां डेड बॉडी उसे देने की बात पर अड़ी हुई थी तो दूसरी तरफ करीब 11 साल बाद आया पिता डेड बॉडी पर अपना दावा करते हुए डेड बॉडी उसे दिए जाने की जिद पर अड़ा रहा। भिवानी के सामान्य अस्पताल में सालों से अलग-अलग रह रहे पति -पत्नी के बीच विवाद बना रहा। दिन भर चले विवाद के बाद गांव हरिपुर के मौजूद लोगों के कहने पर शव मृतक बच्चे के पिता को दिए जाने का समझौता हुआ। गांव हरिपुर में रह रही मुकेश देवी ने बताया कि वह मूलरूप से गांव सिवाड़ा की बेटी है। करीब 15 साल पहले उसकी शादी रोहतक निवासी राजेश से हुई थी। राजेश से उसे दो बेटे हुए। दोनों पति-पत्नी के बीच विवाद होने पर करीब 11 साल पहले अपने दोनों बेटों मंगतु और आशीष को लेकर अपने मायके मां के घर आकर रहने लगी। बाद में वह अपने दोनों बेटों को लेकर गांव हरिपुर आकर पति से अलग रहने लगी।

एमपी में अगले 3 दिन कड़ाके की ठंड

जनमार्ग न्यूज

भोपाल । उत्तर से आ रही बर्फीली हवाओं की वजह से मध्यप्रदेश में फिर से ठंड ब? गई है। शुक्रवार को भोपाल में दिन का तापमान 6.8 डिग्री लु?ककर 22.6 डिग्री पर आ पहुंचा। इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर और जबलपुर में भी गिरावट हुई है। शनिवार को खरगोन में घना कोहरा रहा, यहां विजिबिलिटी 50 मीटर तक पहुंच गई। मौसम वैज्ञानिक वीएस यादव के मुताबिक, अगले 3 दिन प्रदेश में ऐसा ही मौसम रहेगा। दिन के साथ रात के तापमान में भी गिरावट होगी। यादव ने बताया, गुरुवार रात से हवा का रुख उत्तरी हो गया है। शुक्रवार को प्रदेश में हवा की औसत रफ्तार 12 से 14 किमी प्रतिघंटा रही।

नशीली टैबलेट का धंधा करने वाला तस्कर काबू

कैथल

- 1450 प्रतिबंधित नशीली गोलियां बरामद

युवा वर्ग को नशे की चपेट से बचाने के लिए नशा तस्करी के धंधे में लिप्त अपराधियों पर एसपी राजेश कालिया के निर्देशानुसार जिला पुलिस द्वारा निरंतर रूप से लगाम कसी जा रही है। जिसके अंतर्गत सीआईए-1 पुलिस द्वारा थाना सीवन क्षेत्र से नाकाबंदी दौरान नशीली टेबलेट का धंधा करने वाले एक आरोपी को काबू कर लिया गया। जांच दौरान आरोपी के कब्जे से 1450 प्रतिबंधित नशीली गोलियां बरामद की गई। सीआईए-1 प्रभारी एसआई पारस की अगुवाई में एएसआई गुरदान सिंह की टीम सांयकालीन गश्त दौरान गांव लैंडर क्षेत्र में मौजूद थी। जहां पर सहयोगी सुत्रो से पुलिस को गुप्त जानकारी मिली कि गांव नागल निवासी प्रताप प्रतिबंधित नशीली गोलियां बेचने का धंधा करता है, जो इस समय नहर की कच्ची पटड़ी से नशीली गोलियां लेकर गांव लैंडर पीर जादा वाले नहर पुल की तरफ जाएगा, जिसे नागल नहर पुल के पास नाकाबंदी करके काबू किया जा सकता है। सूचना विश्वसनीय होने के कारण पुलिस द्वारा मुस्तैदी का परिचय देते हुए नागल नहर पुल के पास नाकाबंदी की गई।

बैंक कर्ज उतारने के नाम पर मेडिकल स्टोर संचालक से 7.57 करोड़ की ठगी

यमुनानगर। पैतृक संपति पर करोड़ो का बैंक कर्ज होने की बात कह कर कुरुक्षेत्र के पीपली स्थित शांति स्मृति मेडिकल सेंटर के संचालक कैथल निवासी डॉ. वासुदेव बंसल से सात करोड़ 57 लाख की ठगी हो गई। आरोप है कि आरोपियों ने बैंक कर्ज उतारने के बदले डॉ. वासुदेव के नाम 4368.5 वर्गगज का गोदाम नाम करने की बात कही। आरोपी ने गोदाम की चाबी भी उसे दे दी। लेकिन बाद में आरोपियों ने गोदाम की रजिस्ट्री उसके नाम नहीं करवाई और चाबियां भी ले ली। शहर जगाधरी पुलिस ने परिवार के चार लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। कैथल निवासी डॉ. वासुदेव बंसल ने शहर जगाधरी पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका कुरुक्षेत्र के पीपली में शांति स्मृति मेडिकल सेंटर है। जगाधरी के डिंपल सिनेप्लेक्स के पास रहने वाले अनिल कुमार गोयल उसका जानकार था। आरोपी मैसर्ज हिमालयन रोलिंग मिल्स के नाम से फर्म भी चलाता है। डॉ. वासुदेव ने बताया कि अनिल कुमार गोयल, उसके पुत्र अंकुश कुमार गोयल, पत्नी सुनीता व पुत्रवधू मोनिका ने फर्म चलाने के लिए बैंक से कर्ज लिया था।

- पुलिस ने परिवार के चार लोगों पर किया धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज

पंजाबी मार्केट में लंबे समय से अतिक्रमण की बनी हुई समस्या

रेवाड़ी में साइन बोर्ड को लेकर दो गुटों में जमकर हुई मारपीट, दो व्यापारी घायल

रेवाड़ी। दुकानदार को साइन बोर्ड उठाकर मारता दूसरा दुकानदार।

रेवाड़ी। पंजाबी मार्केट में आपस में झगड़ते दुकानदार।

रेवाड़ी

शनिवार दोपहर दुकानों के सामने साइन बोर्ड रखने को लेकर पंजाबी मार्केट में दुकानदारों के दो गुटों के बीच जमकर हंगामा हुआ। आपसी मारपीट में दो दुकानदार गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि कुछ लोगों को मामूली चोटें आई हैं। घायलों को अस्पताल में दाखिल कराया गया है। पुलिस ने घायलों के बयान पर केस दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी।

पंजाबी मार्केट में मंदिर के पास पायल बैंगल्स और शुभम एंपोरियम के नाम से दो दुकानें पास-पास हैं। बताया जा रहा है कि दुकानदार नरेश मेहंदीरत्ता और मुरलीधर के बीच कई दिनों से दुकानों के बाहर साइन बोर्ड रखने को लेकर विवाद चल रहा था। शनिवार को एक बार फिर साइन बोर्ड रखने को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। आसपास के दुकानदारों ने बीच-बचाव करने का प्रयास किया, लेकिन झगड़ा बढ़ गया। आरोप है कि इसी दौरान एक दूसरे ने हमला कर दिया। दोनों के परिवार के सदस्य भी वहां आ गए। दोनों गुटों में साइन बोर्ड की लकड़ियों से हमला किया गया। एक युवक मुरलीधर को चोट मारकर फरार हो गया। उसे और नरेश को गंभीर चोटें आई हैं। सूचना मिलने के बाद सिटी पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। केस दर्ज करने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। घटना का वीडियो भी जमकर वायरल हो रहा है।

अतिक्रमण से सभी बेहाल

शहर के बाजार में लंबे समय से व्याप्त अतिक्रमण बड़ी समस्या है, जिसके कारण पूरे दिन हालात खराब रहते है। नगर परिषद बाजार को पूरी तरह से अतिक्रमण मुक्त करने में नाकाम साबित हो चुकी है। दुकानदारों अपनी दुकानों के आगे सामान रखकर अतिक्रमण किया हुआ है, जिससे लोगों का सड़क से निकलना भी मुश्किल हो जाता है। रेहड़ी वाले भी बाजार में जाम की स्थिति पैदा कर रहे है। काफी दुकानदार तो अपनी दुकानों के आगे रेहड़ी खड़ी करवाकर मोटा किराया भी वसूल रहे है। मोती चौक बाजार, गोकल बाजार, जीवली बाजार, केवल बाजार, रेलवे रोड बाजार, काठमंडी, पुरानी अनाजमंडी स्थित बजाजा बाजार, गुड़ बाजार व पंजाबी मार्केट सहित सभी बाजार पूरी तरह अतिक्रमण की गिरफ्त में है।

कलायतः नशा परोसने वाले उम्मीदवारों का सिरे से बायकाट होगा

कलायत। कलायत में नगर पालिका, लोकसभा और विधानसभा चुनाव में वोट के लिए नशा परोसने वाले उम्मीदवारों का सिरे से बायकाट होगा। यह फैसला श्री रैदास सभा परिसर में आयोजित महापंचायत में लिया गया। इसके साथ ही नशा देकर युवाओं को मौत की नींद सुलाने वालो दर्ज एफआइआर अनुसार अविलंब गिरफ्तारी हो। क्योंकि कुछ समय में नशा ओवर डोज से तीन युवक जान गंवा चुके है। इस प्रकार के विषयों को लेकर नशा की जड़ों को समाज से उखाड़ने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय हुए। महापंचायत में 36 बिरादरी के प्रतिनिधियों के साथ-साथ मुख्य रूप से महिलाओं ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। बच्चों को गोद में लेकर पहुंची महिलाओं ने नशा के खिलाफ आंदोलन खड़ा करने की अपील की।

JANMARG news
Janmarg News
Youtube Channel
जनमार्ग

गणतंत्र दिवस एक पवित्र राष्ट्रीय पर्व एवं महान संकल्प का दिन है

जनमार्ग न्यूज

‘गणतंत्र दिवस’ पर विशेष

गणतंत्र दिवस भारत का ऐसा राष्ट्रीय पर्व है जो स्वाधीनता के बाद प्रारम्भ हुआ। इसी दिन देश में अपना संविधान लागू हुआ यह दिन 26 जनवरी 1950 था जिस दिन हमारा देश पूर्ण गणतंत्र घोषित किया गया। तभी से यह दिन गणतंत्र दिवस के रूप में हर वर्ष मनाया जाता है। स्वतंत्रता प्राप्त करने में भारत के अनेक वीर सपूतों ने अपने प्राणों का बलिदान कर दिया उन्हीं बलिदानी वीरों के त्याग से हमारा स्वाधीनता का सुनहरा सपना साकार हुआ इसलिए 26 जनवरी के दिन को गणतंत्र दिवस के रूप में धूमधाम से मनाया जाता है।

इसी दिन हमारे देश का संविधान लागू हुआ था। संविधान एक मौलिक कानूनी आलेख होता है, जिसके अनुसार किसी देश की सरकार कार्य करती है, संविधान के आधार पर किसी देश के नियम तथा विनियम बनाए जाते हैं। भारतीय संविधान सरकार के तीन अंगों - विधायिका, कार्यपालिका तथा न्यायपालिका का प्रावधान करता है। संविधान में सरकार की शक्तियाँ स्पष्ट रूप से वर्णित होती है तथा सरकार व नागरिकों की गतिविधियों की सीमाएँ भी निर्धारित होती है। हमारे संविधान की अनेक विशेषताएँ है। संविधान बनाने वाले नेताओं और विद्वानों ने संसार के समस्त देशों ब्रिटेन, आयरलैण्ड, फ्रांस, जर्मनी, कनाडा तथा संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधानों का गहन अध्ययन कर उनमें से उपयोगी सार ग्रहण करके हमारे संविधान का निर्माण किया था। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद निर्मात्री सभा के अध्यक्ष चुने गये थे तथा संविधान का प्रारूप तैयार करने के लिए प्रारूप समिति का गठन किया गया। इस समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव अम्बेडकर थे। संविधान समिति की 166 बैठकें हुई। संविधान को बनाने में 2 वर्ष 11 माह व 18 दिन लगे जिससे 395 अनुच्छेद और आठ अनुसूचियों वाला विशाल संविधान तैयार हुआ बाद में नौवीं और दसवीं अनुसूचियां और जोड़ दी गई। इसमें लगभग तीस हजार शब्द हैं।

1976 ई. के 42वें संविधान संशोधन द्वारा संविधान की प्रस्तावना में दो शब्द ‘‘समाजवादी’’ और ‘‘धर्मनिरपेक्ष’’ जोड़ दिये गये साथ ही एकता के साथ अखण्डता को भी जोड़ गया है प्रस्तावना जो संविधान का सार और प्रत्येक धारा का आधार होती है, इस प्रकार है- ‘‘हम भारत के लोग भारत को एक सम्पूर्ण प्रमुख सम्पन्न समाजवादी धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और अवसर की समता प्राप्त करने के लिए तथा उन सबमें व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखण्डता सुनिश्चित करने वाली बन्धुत्व बढ़ाने के लिए दृढ संकल्प होकर अपनी संविधान सभा में आज दिनांक 26 नवम्बर, 1949 ई. को एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

26 जनवरी 1950 से भारत एक ‘‘सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न गणराज्य’’ हो गया। भारतीय संविधान विश्व के अन्य संविधानों की अपेक्षा बहुत अधिक विस्तृत है। हमारा संविधान धर्मनिरपेक्षता पर आधारित है इसमें धर्म को राजनीति से अलग रखा गया है। हमारे यहाँ सभी धर्मों का समान आदर किया जाता है। देश के नागरिकों के मूल अधिकार व कर्तव्य है मूल अधिकारों में (1) स्वतंत्रता का अधिकार, (2) समानता का अधिकार (3) शोषण के विरूद्ध अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार शिक्षा एवं संस्कृति का अधिकार और संवैधानिक उपचारों का अधिकार। 18 वर्ष की आयु होने पर नागरिक को अपना मत देने का अधिकार आदि इस संविधान की विशेषताएँ हैं।

भारतीय संविधान में अधिकारों के साथ कर्तव्यों को निर्धारित किया गया हैं।

(1) संविधान का पालन करना उसके आदर्शो, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का सम्मान करना।

(2) भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करना।

(3) देश की रक्षा करना तथा आह्वान किये जाने पर राष्ट्र की सेवा करना।

(4) सार्वजनिक सम्पत्ति को सुरक्षित रखना व हिंसा से दूर रहना।

(5) संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का संरक्षण करना।

(6) वैज्ञानिक और मानवतावादी दृष्टिकोण को विकसित करना।

राष्ट्रीय आन्दोलन में उच्च आदर्शो का पालन करना। सभी लोगों में भ्रातृ भावना का निर्माण करना।

हमारे देश का सर्वोच्च प्रधान राष्ट्रपति होता है संविधान में न्यायपालिका को कार्यपालिका के नियंत्रण से मुक्त रखा गया है। 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस सारे भारतवर्ष में उल्लास और उमंग के साथ विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों के आयोजन के साथ मनाया जाता है। गणतंत्र दिवस का मुख्य उत्सव भारत की राजधानी दिल्ली में होता है तथा महामहिम राष्ट्रपति राष्ट्र को संदेश द्वारा संबोधित करते हैं। महामहिम राष्ट्रपति को जल, थल व वायु सेना के सैनिकों द्वारा तोपों की गूंज के बीच में शुभकामनाएं अर्पित की जाती हैं। इस अवसर पर विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होता है।

राजधानी के अतिरिक्त देश के हर राज्य के नगर व गाँव में यह उत्सव बड़े उत्साह से मनाया जाता है। प्रभात फेरियाँ निकाली जाती है। घर, कार्यालयों, विद्यालयों पर राष्ट्रीय झंडा फहराया जाता है। देशभक्ति के गीतों और भाषणों का आयोजन होता है। शहीदों को याद करते हुए सभी भारतवासी देश की स्वतंत्रता का संकल्प लेते हैं। गणतंत्र दिवस एक पवित्र राष्ट्रीय पर्व एवं महान संकल्प का दिन है। यह भारत की स्वतंत्रता, एकता और अखंडता की रक्षा करना व अमर शहीदों के प्रति हार्दिक श्रद्धा भावनाओं को प्रकट करते हुए महान महापुरुषों के जीवन दर्शन उनकी नीतियों और सिद्धांतों को जीवन में उतारने का संकल्प लेकर राष्ट्र निर्माण की दिशा में सही कदम उठाने का दिवस है।

संकलनकर्ता
मनीराम सेतिया
सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य
109-एल ब्लॉक, श्रीगंगानगर
मो.नं. 98871-22040

टांटिया यूनिवर्सिटी में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ मनाया गणतंत्र दिवस समारोह

- आज हमें बड़ी इंडस्ट्री, संगठन और अर्थव्यवस्था के रूप में देखा जा रहा: डॉ. मोहित टांटिया

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। गणतंत्र दिवस समारोह रविवार को टांटिया यूनिवर्सिटी कैंपस में हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। चेयरपर्सन सुनीता टांटिया, वाइस चेयरपर्सन डॉ. मोहित टांटिया, कुलपति प्रो. (डॉ.) एमएम सक्सेना और अन्य अतिथियों ने ध्वज फहरा कर शुरुआत की। इससे पहले यूनिवर्सिटी के संस्थापक डॉ. एसएस टांटिया की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित की गई। चेयरपर्सन सुनीता टांटिया, वाइस चेयर पर्सन डॉ. मोहित टांटिया, कुलपति डॉ. सक्सेना और अन्य अतिथियों ने एनसीसी, सुरक्षा प्रहरियों एवं विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों की ओर से दी गई मार्चपास्ट की सलामी ली। एनसीसी कैडेट ने बैंड प्रदर्शन किया। वाइस चेयरपर्सन डॉ. मोहित टांटिया ने कहा कि भारत विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। हम अपनी विरासत और संस्कृति को नहीं भूले हैं बल्कि इसे सराहा है। दस साल पहले जब विश्वविद्यालय शुरू हुआ तो प्रदेश में बहुत कम प्राइवेट यूनिवर्सिटी थीं। आज हमारे कर्मचारी केंद्र सरकार, राज्य सरकार के प्रोजेक्ट के हिस्से हैं। चेयर पर्सन सुनीता टांटिया ने सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं और कहा कि उन्हें भारत का नागरिक और भारतवासी होने पर गर्व है। उपकुलपति डॉ. सक्सेना ने कहा कि वाइस चेयरपर्सन डॉ. मोहित टांटिया ने हमें उन अपेक्षाओं और योजनाओं से रूबरू करवाया जिन पर हम आगे बढ़ सकते हैं। डायरेक्टर (एकेडमिक एंड रिसर्च) डॉ. प्रवीण शर्मा ने धन्यावाद ज्ञापित किया। इस मौके पर यूनिवर्सिटी के विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों ने समूह नृत्य, एकल नृत्य, कविता, कालबेलिया नृत्य आदि की प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम में आर्किटेक्ट अमीषा टांटिया, रजिस्ट्रार डॉ. विनोद शर्मा, डिप्टी रजिस्ट्रार राकेश वर्मा, परीक्षा नियंत्रक डॉ. राजेंद्र गोदारा, विभिन्न संकायों के डीन डॉ. आरपीएस बघेल, डॉ. चरणजीतसिंह, डॉ. अशोककुमार यादव, डॉ. उम्मेदसिंह शेखावत, डॉ. सौरभ गर्ग, डॉ. सुरजीतसिंह कस्वां, डॉ. पंकज कुक्कड़, स्किल डवलपमेंट डिपार्टमेंट के डॉ. विशाल छाबड़ा, सहायक निदेशक (वेटरनरी) सुरेश बुडानिया, डॉ. आर.के. विश्वास, डॉ. रेखा सोनी सहित बड़ी संख्या में लोग एवं विद्यार्थी मौजूद थे। मंच संचालन एनसीसी के लेफ्टीनेंट संदीपकुमार भांभू एवं जन संपर्क अधिकारी डॉ. पी.सी. आचार्य ने किया।

विद्यार्थी शिक्षा के प्रति सर्वस्व अर्पण की भावना रखें: जयदीप बिहाणी

- जीएल बिहाणी एसडी कॉलेज में गणतंत्र दिवस समारोहपूर्वक मनाया

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। सेठ गिरधारीलाल बिहाणी सनातन धर्म शिक्षा ट्रस्ट द्वारा संचलित शिक्षण संस्थाओं में रविवार को गणतंत्र दिवस समारोहपूर्वक मनाया गया। मुख्य समारोह जीएल बिहाणी एसडी कॉलेज के प्रांगण में हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर प्रयोग सुब्बा (कमांडर-15 इन्फेंट्री ब्रिगेड) थे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता बिहाणी शिक्षा ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं विधायक जयदीप बिहाणी ने की। ब्रिगेडियर ने तिरंगा फहराया और मार्चपास्ट की सलामी ली। उन्होंने अपने उद्बोधन में भारतीय संविधान में अधिकार और दायित्व का जिक्र किया। ब्रिगेडियर प्रयोग सुब्बा ने कहा कि हमें भारतीय होने पर गर्व है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विधायक जयदीप बिहाणी ने कहा कि भारत दुनिया का एक मात्र ऐसा लोकतांत्रिक देश है जो सबसे अलग है। स्वतंत्रता के बाद लिखा गया भारतीय संविधान विश्व के अन्य देशों के लिए प्रेरणास्त्रोत है। बिहाणी ने विद्यार्थियों से कहा कि देश को विकसित राष्टों की श्रेणी में लाने के लिए वे शिक्षा के प्रति सर्वस्व समर्पण की भावना रखें। उन्होंने कहा कि यह राम का देश है और सनातनी संस्थान में राम के नाम का उच्चारण न हो तो सब अधूरा है। इस पर सभी ने श्रीराम की जय का उद्घोष किया। निदेशक डॉ. कविता चौधरी ने समारोह में बिहाणी शिक्षा ट्रस्ट की गतिविधियों की जानकारी दी। बीसीए, बिहाणी एसडी स्कूल, एसडी कॉलेज व बिहाणी शिक्षा महाविद्यालय के स्टूडेंट्स ने देशभक्ति से ओतप्रोत गीतों और नृत्यों की शानदार प्रस्तुति दी। बिहाणी चिल्ड्रन्स स्कूल के विद्यार्थियों ने महाराष्ट्र का लोकप्रिय कोली नृत्य कर दर्शकों का मनमोह लिया। मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर प्रयोग सुब्बा और विधायक जयदीप बिहाणी ने शिक्षा और खेलकूद के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता अर्जित करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया। शिक्षा के क्षेत्र में सुश्री अंजली पुत्री राजेश कुमार (एमएससी केमिस्ट्री), तनिशा शर्मा श्री मदन शर्मा (बी.ए बीएड) और कोमल सुथार पुत्री शंकर लाल (बीएससी बीएड) को प्रशस्तिपत्र के अलावा 11-11 हजार रुपए दिये गए। इनके अलावा खेल के क्षेत्र में कृष्ण भारद्वाज पुत्र प्रमोद कुमार (तीरंदाजी), स्नेहल पुत्री पंकज शर्मा (योगासन), अमित पुत्र जगदीश प्रसाद (जूडो), पूजा पुत्री जगदीश प्रसाद(जूडो), सुरभि पुत्री जसवंत (सॉफ्टबॉल), साहिल पुत्र सतनाम सिंह (सॉफ्टबॉल), आकाश पुत्र अरविंद कुमार (जूडो), नंदिनी नेगी पुत्री विजय सिंह नेगी (वुशु), अस्मिता पुत्री उमाशंकर(वुशु), खुशी पुत्री मुकेश अग्रवाल (जूडो) और जसविंदर कौर पुत्री सुखपाल सिंह (पॉवरलिफ्टिंग) को पुरस्कृत किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष जयदीप बिहाणी ने मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर प्रयोग सुब्बा को स्मृति चिन्ह भेंट किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में बिहाणी एसडी स्कूल के बच्चों ने हरियाणवी एवं कठपुतली डांस किया। फार्मेसी कॉलेज की ओर से राजस्थान की विरासत प्रस्तुत की गई। फार्मेसी कॉलेज के प्राचार्य प्रो. संजीव ठक्कर ने आभार जताया। बीसीए के स्टूडेंट्स ने राष्ट्रीय गीत गाया। समारोह में सचिव नीरज बिहाणी, विमल बिहाणी, घनश्यामदास बिन्नानी महेश कुमार माहेश्वरी, डॉ. कैलाश फ्लोर, शैक्षिक उपनिदेशक कमलजीत सिंह सूदन, प्राचार्य डॉ. रिशुदेव बंसल, प्राचार्य डॉ. वरुण माहेश्वरी, प्राचार्य प्रो. संजीव ठक्कर, प्राचार्य पल्लवी शर्मा, प्राचार्य अशोक ग्रोवर, प्राचार्य नलिनी धींगड़ा आदि ने मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर प्रयोग सुब्बा और बिहाणी शिक्षा ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं विधायक जयदीप बिहाणी का स्वागत किया।

राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सम्मानित हुई श्रीगंगानगर की उप जिला निर्वाचन अधिकारी

श्रीगंगानगर (जनमार्ग न्यूज)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस का राज्य स्तरीय कार्यक्रम शनिवार को जयपुर में राजस्थान इंटरनेशनल सेन्टर (आरआईसी) में आयोजित हुआ। उक्त कार्यक्रम में निर्वाचन विभाग राजस्थान सरकार द्वारा भारत निर्वाचन आयोग के निर्धारित मापदण्डों के विभिन्न मानकों के आधार पर निर्वाचन संबंधी समस्त कार्य पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण के साथ सम्पन्न करवाये जाने के फलस्वरूप श्रीगंगानगर की उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं एडीएम प्रशासन श्रीमती रीना को सम्मानित किया गया। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े द्वारा श्रीमती रीना को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन एवं मधुकर गुप्ता सहित अन्य मौजूद रहे।

दुल्लापुर केरी में नशाखोरी को लेकर दो पक्षों में खूनी भिड़ंत

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। हिंदूमलकोट थाना क्षेत्र में सीमावर्ती दुल्लापुर केरी गांव में नशाखोरी को लेकर गुरुवार रात लगभग 8 बजे दो पक्षों में खूनी भिड़ंत हो गई।दोनों पक्षों द्वारा लाठी- गंडासी, लोहे की राड तथा डंडों आदि का इस्तेमाल किए जाने से अनेक व्यक्ति घायल हो गए। घायलों में एक महिला और एक युवती भी शामिल है। पुलिस ने दोनों पक्षों की तरफ से हत्या का प्रयास करने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार दुल्लापुर केरी में सब्जी और किरयाना की दुकान करने वाले कालूराम ने मुकदमा दर्ज करवाया है कि उसकी दुकान के नजदीक एक खाली भूखंड है।

भारतमाला रोड पर ट्रेलर बाइक भिड़ंत में युवक की मौत

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। जिले के अनूपगढ़ थाना क्षेत्र में अनूपगढ़-घडसाना भारतमाला प्रोजेक्ट रोड पर कल देर शाम को ट्रेलर की टक्कर लगने से मोटरसाइकिल पर सवार एक युवक की मृत्यु हो गई। पुलिस के अनुसार मृतक युवक की पहचान पवन निवासी चक 6-एच के रूप में हुई है। पवन कुमार कल शाम 7:50 बजे मोटरसाइकिल पर भारतमाला प्रोजेक्ट रोड से होते हुए जा रहा था। चक 6-पी पतरोडा व चक 15-ए के बीच एक अज्ञात ट्रक ट्रेलर की टक्कर लगने से वह बुरी तरह से घायल हो गया। लोगों ने उसे अनूपगढ़ के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। वहीं उसके परिवार वालों को फोन पर सूचना दी।

ट्रेन से कटकर महिला की मौत

जनमार्ग न्यूज

अनूपगढ़। अनूपगढ़ में रविवार सुबह सूरतगढ़ से अनूपगढ़ जाने वाली ट्रेन की चपेट में आने से एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना सुबह करीब 6 बजे राहुपीर फाटक के पास हुई, जो अनूपगढ़ रेलवे स्टेशन से मात्र 500 मीटर की दूरी पर स्थित है। अनूपगढ़ रेलवे स्टेशन के कार्यवाहक स्टेशन अधीक्षक वीर बहादुर सिंह के अनुसार, ट्रेन के लोको पायलट ने सूचना दी कि एक महिला ट्रेन के सामने कूद गई। सूचना मिलते ही रेलवे स्टाफ मौके पर पहुंचा और पुलिस को जानकारी दी गई। मौके पर पहुंचे हेड कॉन्स्टेबल सज्जन कुमार ने बताया कि मृतक महिला की उम्र लगभग 40 वर्ष प्रतीत होती है। घटनास्थल से महिला के पास से कोई पहचान पत्र या अन्य सामान नहीं मिला है, जिससे उसकी पहचान की जा सके। पुलिस ने शव को अनूपगढ़ के सरकारी अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया है और पहचान के लिए प्रयास कर रही है। इस हादसे के कारण सूरतगढ़ से अनूपगढ़ आने वाली ट्रेन करीब 30 मिनट की देरी से स्टेशन पहुंची।

गणतंत्र दिवस समारोह में पार्षद की मौत

उदयपुर (जनमार्ग न्यूज)। जालोर जिले के आहोर में गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान पार्षद अरविंद जैन का हार्ट अटैक से मौत हो गई। नगरपालिका चेयरमैन सुजाराम प्रजापत ने बताया- जैन रविवार सुबह नगरपालिका परिसर में चल रहे समारोह में भाग लेने आए थे। अचानक उनके सीने में दर्द हुआ। उन्हें तुरंत आहोर ष्ट।॥ष्ट ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। दूसरी ओर, पाली में परेड के दौरान कक्षा 11 की छात्रा बेहोश होकर गिर पड़ी। उसे फौरन हॉस्पिटल पहुंचाया गया। गणतंत्र दिवस के मौके पर पूरा राजस्थान देशभक्ति के रंग में रंग गया है। सुबह से ही देशभक्ति गाने बज रहे हैं। भारत माता की जय के नारे लग रहे हैं। प्रदेश का राजकीय गणतंत्र दिवस समारोह उदयपुर के गांधी ग्राउंड में हो रहा है। यहां राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने ध्वजारोहण किया। इस दौरान सीएम भजनलाल शर्मा सहित तमाम नेता-मंत्री, अधिकारी भी मौजूद रहे। ध्वजारोहण के बाद राज्यपाल हरिभाऊ ने कहा- प्रदेश सरकार ने रिफाइनरी के निर्माण को गति दी है। 83 प्रतिशत काम पूरा किया जा चुका है।

बीरमाना एटीएम लूट मामले में 3 संदिग्ध हिरासत में

- पटना में संदिग्धों से पकड़ी 29.50 लाख की नकदी
- पुलिस कर रही आरोपियों से पूछताछ

जनमार्ग न्यूज

सूरतगढ़। सूरतगढ़ उपखंड के बीरमाना गांव में पीएनबी बैंक के एटीएम को उखाड़कर ले जाने की 20 दिन पूर्व हुई लूट की वारदात में पुलिस ने 3 संदिग्धों को पकड़ा है। पुलिस तीनों आरोपियों को बिहार के पटना से पकड़कर शनिवार शाम को राजियासर थाना पहुंची। टीम ने संदिग्धों के पास से 29 लाख 50 हजार रुपए की नकदी भी बरामद की है। सीआई सतीश यादव ने बताया कि बीरमाना गांव में पीएनबी बैंक की शाखा के बाहर लगे एटीएम को 5 जनवरी की रात अज्ञात लोग उखाड़ कर ले गए थे जिसमे 4.95 लाख रुपए थे। इस मामले में पुलिस टीम पिछले 20 दिनों से उनको पकड़ने में लगी हुई है। पुलिस इस मामले में तीन संदिग्धों को पटना से लेकर आई है। पकड़े गए तीनों संदिग्ध आरोपी बीकानेर जिले के डूंगरगढ़ क्षेत्र के रहने वाले हैं, इनमें से एक संदिग्ध कन्हैयालाल के पास से 29 लाख 50 हजार रुपए की नकद राशि बरामद हुई है। इतनी बड़ी मात्रा में अवैध नकदी मिलने के बारे में पुलिस जांच में जुटी हुई है। पुलिस पूछताछ में तीनों ने अपना नाम कन्हैयालाल (29) पुत्र राजेंद्रकुमार शर्मा, नरेश उर्फ रामअवतार (21) पुत्र मुकनाराम जाति शर्मा दोनों निवासी हेमासर पुलिस थाना डूंगरगढ बीकानेर व रामस्वरूप (24) पुत्र लक्ष्मणराम जाति जाट निवासी तेजरासर पुलिस थाना नापासर जिला बीकानेर बताया है। पुलिस ने बरामद राशि को आईपीसी की धारा 102 के तहत जब्त की है। पटना गई पुलिस टीम में एएसआई हनुमान मीणा, एचसी दुर्गादत्त स्वामी, मोहम्मद असलम, सुनील बाबल, कॉन्स्टेबल मनोज ज्याणी शामिल रहे। गौरतलब रहे कि 5 जनवरी की रात को अज्ञात बदमाशों ने पीएनबी बैंक की एटीएम मशीन को उखाड़ कर सफेद रंग की कैंपर गाड़ी में डालकर ले गए थे।

बेदखली सूचना

मैं श्रवण कुमार पुत्र डूंगरराम जाति नायक निवासी वार्ड नं. 4, 8 पीएसडीबी तहसील रावला जिला श्रीगंगानगर का रहने वाला हूं। बयान करता हूं कि मेरा पुत्र राहुल कुमार पुत्र श्रवण कुमार जाति नायक निवासी वार्ड नं. 4, 8 पीएसडीबी तहसील रावला जिला श्रीगंगानगर मेरे से अलग निवास करता है। मेरा पुत्र राहुल मेरे कहने-सुनने से बाहर है तथा प्रतिदिन मारने की धमकियां देकर लड़ाई-झगड़ा करता है। मैं अपने पुत्र राहुल को अपनी तमाम चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। भविष्य में अगर कोई मेरे पुत्र राहुल से किसी प्रकार का लेन-देन करता है या व्यवहार करता है तो वह स्वयं उसका जिम्मेदार होगा। मेरे व मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

- शपथकार

बेदखली सूचना

मैं नंदलाल सोनी पुत्र आशाराम सोनी निवासी यादव मोहल्ला पुरानी आबादी श्रीगंगानगर का रहने वाला हूं। बयान करता हूं कि मेरा पुत्र विक्रम सोनी पुत्र नंदलाल सोनी व पुत्रवधु माधुरी सोनी पत्नी विक्रम सोनी निवासी स्कूल नं. 9, वार्ड नं. 8 के पास, पुरानी आबादी श्रीगंगानगर मुझे व मेरे परिवार को तंग व परेशान करते हैं तथा पुत्रवधु मरने की धमकी देती हैं। मेरा पुत्र विक्रम सोनी व पुत्रवधु माधुरी सोनी को मैंने व मेरे परिवार ने 30.08.2024 को ही अलग कर दिया तथा लेनदेन बंद कर दिया। मैं पूरे होशो हवास में अपने परिवार की सहमति से अपने पुत्र विक्रम सोनी व पुत्रवधु माधुरी सोनी को अपनी चल-अचल संपति से बेदखल करता हूं। भविष्य में विक्रम सोनी व उसकी पत्नी माधुरी द्वारा किये जाने वाले समस्त कृत्य/अप्रिय घटना के जिम्मेदार स्वयं होंगे। अगर कोई इनसे किसी प्रकार का लेनदेन या व्यवहार करता है तो वह स्वयं उसका जिम्मेदार होगा। मेरे व मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं है।

नंदलाल सोनी पुत्र आशाराम सोनी

छह जिला के जिला कलक्टर एपीओ

जयपुर (जनर्मा न्यूज)। भजनलाल सरकार ने 9 नए जिलों और 3 संभागों को रद्द कर दिया था। जिसके बाद अब सरकार ने एक आदेश जारी किया है। छह जिलों के जिला कलक्टरों को एपीओ कर दिया। शाहपुरा में राजेन्द्र सिंह शेखावत, सांचौर में शक्ति सिंह राठौड़, नीमकाथाना में शरद मेहरा, गंगापुर सिटी में डॉ.गौरव सैनी, केकड़ी में श्वेता चौहान और अनूपगढ़ में अवधेश मीना को जिला कलक्टर लगाया था। इसके अलावा जयपुर जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र सोनी को जयपुर संभागीय आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है।

गणतंत्र दिवस की समस्त देशवासियों व इलाकावासियों को
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

डॉ. एमपी बेनीवाल

डॉ. प्रदीप बेनीवाल

डॉ. विदुषी बेनीवाल
गिनीज बुक ख्याति प्राप्त
दूरबीन व सामान्य पद्धति से ऑप्रेशन (24 घंटे सुविधायें)
बेनीवाल हॉस्पीटल श्रीकरणपुर

गणतंत्र दिवस की समस्त देशवासियों व इलाकावासियों को
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

सुनील तिवाड़ी
डबल ए कॉन्ट्रेक्टर
केन्द्र, रेलवे व राज्य विभाग

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी हरीसिंह मेहरा द्वारा राहुल ऑफसैट प्रिन्टर्स गुलजार भवन, 47 गणेश विहार द्वितीय, जस्सा सिंह मार्ग के पास श्रीगंगानगर 335001 से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक : हरीसिंह मेहरा, 94140-87692, फैक्स : 0154-2970692